09 जुलाई 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को ससमय एवं शुद्धता से पूर्ण कराएं : डीएम

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

खुलासा: जमीन विवाद और बांकीपुर क्लब विवाद को लेकर की गई गोपाल खेमका की हत्या

केटी न्यूज/पटना

- साजिशकर्ता और शूटर दोनों गिरफ्तार, हथियार, कारतूस व रुपये भी बरामद

बिहार पुलिस ने व्यवसायी गोपाल खेमका मर्डर केस के खुलासा किया है। डीजीपी विनय कुमार ने मंगलवार को पूरे घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताया। मामले में जमीन विवाद और बांकीपुर क्लब विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। इसकी प्लानिंग डेढ माह पहले रची गई थी। इसके लिए चार लाख रुपये की सुपारी दी गई थी।

गोपाल खेमका हत्याकांड का खुलासा करते हुए डीजीपी ने कहा कि सुपारी देने वाला और शूटर दोनों ही पुलिस के कब्जे में है। डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि घटनास्थल से जो सूत्र प्राप्त हुए थे, कैमरे से जो तस्वीर आई थी, तस्वीर मे शूटर का जो हुलिया मिला था, इन सभी के आधार पर पूरे शहर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। साक्ष्य संग्रह किया गया, मोटरसाइकिल की पहचान की गई। उसके धारक की पहचान की गई। इसके बाद बाइक मालिक तक पहुंचा गया, बाइक मालिक से पूछताछ के बाद पुलिस की जांच आगे बढ़ी। पुलिस की पूछताछ में उमेश यादव ने गोपाल खेमका की हत्या की बात स्वीकार की है। इसकी निशानदेही पर 7.62 एमएम का 56 राउंड जिंदा कारतूस, एक 9 एमएम पिस्टल, दो मैगजीन एवं 14 गोली बरामद किया गया। अशोक साव ने ही हत्या की सुपारी दी थी. अशोक साव से उमेश यादव की मुलाकात बिहार शरीफ में डेढ़ साल पहले एक शादी समारोह में हुई थी। इसके बाद से ही उमेश अशोक साहव के लिए छोटा-मोटा काम कर रहा था।

चार लाख रुपये के लिए उमेश ने स्वयं की हत्या : पटना पुलिस ने बताया है कि डेढ़ महीने पहले अशोक साव के द्वारा गोपाल खेमका की हत्या का षड्यंत्र रचा गया। अशोक साव ने गोपाल खेमका की हत्या के लिए शूटर एवं हथियार की व्यवस्था के लिए बोला था। साथ ही अशोक साव ने दो मोबाइल खरीदा था। जिसमें एक अपने पास रखा और एक उमेश यादव को दिया और कहा कि हम लोग इसी से बात करेंगे। इन्हीं के इलाके के विकास उर्फ राजा जिसपर हत्या डकैती आर्म्स एक्ट के कुल 9 केस दर्ज हैं से हत्या के लिए संपर्क किया गया। शूटर विकास उर्फ राजा ने इसके लिए चार लाख की सुपारी मांगी। इसके बाद उमेश यादव के मन में विचार आया कि क्यों ना यह मर्डर स्वयं करके सुपारी की सारी राशि खुद रख ले। इसी क्रम में अशोक साव ने 9 एमएम का हथियार दो मैगजीन 18 गोली मुहैया कराया। साथ ही गोपाल खेमका का फोटो एवं गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर भी उपलब्ध कराया गया। गोपाल खेमका हर शाम 8:00 बजे बांकीपुर क्लब जाते थे और रात 11:30 बजे खुद गाड़ी चला कर घर वापस आते थे।

शूटर के अपार्टमेंट से हथियार, रुपये व कई जमीन के कागजात बरामद

चार जुलाई की रात बांकीपुर क्लब पहुंचने पर उमेश ने देखा की गोपाल खेमका की गाड़ी लगी थी। इसके बाद यह उमेश यादव गोपाल खेमका आवास की ओर आगे बढ़ गया और उनके आने का इंतजार करने लगा। कुछ समय बाद गोपाल खेमका कार चलाते अपार्टमेंट के गेट पर रुके, तभी उमेश ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद वो अपने मोटरसाइकिल से जमाल रोड होते हुए बाईपास थाना के सामने माल सलामी देवी स्थान होते हुए घर चला गया। साथ ही, हथियार को अपने ऊपर वाले कमरे में छुपा दिया। उमेश यादव की निशानदेही पर उदयगिरी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 601 की तलाशी ली गई। जहां से 6.50 लाख कैश बरामद हुआ है। साथ ही, एक पिस्टल 17 जिंदा कारतूस जमीन का ढेर सारा कागजात, मोबाइल एवं अन्य सामान बरामद किया गया है। साथ ही अशोक साह को गिरफ्तार किया गया है। इसने बताया है की जमीन एवं बांकीपुर क्लब का विवाद होने के कारण गोपाल खेमका की हत्या करवाई गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक, लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

43 एजेंडों में लगी कैबिनेट की मुहर बिहार युवा आयोग का होगा गठन

- मुख्यमंत्री ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से दी जानकारी
- युवाओं के हितों की रक्षा में विशेष भूमिका निभाएगा युवा आयोग

केटी न्यूज/पटना

राज्य सचिवालय में मंगलवार को बिहार कैबिनेट की बैठक हुई है। कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ कैबिनेट के लगभग सभी मंत्री मौजूद थे। इस दौरान बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 43 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है।

कैबिनेट द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी भी दी गई है।

समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा।

राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले : बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे, जिनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले। साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा देने वाले शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए कार्यक्रम तैयार कर और ऐसे मामलों में सरकार को अनुशंसा भेजना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य है कि इस आयोग के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनें ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।

74 फीसदी पद पर डोमिसाइल प्रभावी, राज्य की महिलाओं को मिलेगा अवसर: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी नौकरियों में प्रभावी तौर पर डोमिसाइल बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया है। जातीय और आर्थिक आरक्षण वाली 60 फीसदी सीटों पर पहले से ही बिहार के लोगों का हक था। नीतीश कैबिनेट ने अब बिहार की सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 2016 से लागू 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का दायरा बिहार की मूल निवासी महिलाओं के लिए रिजर्व कर दिया है। इसका सीधा असर अनारक्षित वर्ग के 40 फीसदी पदों पर होगा। नीतीश कैबिनेट के फैसले से 74 फीसदी पद पर एक तरह से डोमिसाइल प्रभावी हो गया है। वहीं, दूसरे राज्य की लड़कियों को बाहरी लड़कों की तरह अनारक्षित (सामान्य) सीटों की मेरिट लिस्ट में ही जगह बनानी होगी।

बिहार में तीन चरण में संपन्न हो चुकी शिक्षक बहाली में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत दूसरे राज्यों की महिलाओं का बड़ी संख्या में चयन हुआ है। इनका चयन अनारक्षित 40 फीसदी सीटों के जरिए हुआ है। जातीय और आर्थिक आधार पर आरक्षित 60 प्रतिशत रिजर्व सीटों पर बिहार के लोग ही आवेदन कर सकते हैं। दूसरे प्रदेश की लड़कियों को बड़ी संख्या में नौकरी मिलने के बाद विधानसभा में इस पर सवाल उठा था, जिसके बाद से सरकार पर दबाव था कि वो महिलाओं के आरक्षण को बिहार के लिए रिजर्व करें। यह फैसला उसी मकसद से हुआ है।

कैबिनेट की बैठक में मिली इनको भी मंजूरी

- अनियमित मानसून व सूखे जैसी स्थिति में फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को डीजल अनुदान देने को लेकर कैबिनेट ने 100 करोड़ खर्च की स्वीकृति दी है।
- मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजना के तहत पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 50 हजार तथा यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण होने पर एक लाख प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
- अब सिर्फ बिहार की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।
- पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा की आवश्यकता को देखते हुए बिहार शहरी गैस वितरण नीति 2025 को मंजूरी।
- बिहाल विधि सेवा में भर्ती को मंजूरी।
- आरा जिले में कुरमुरी से बंधवा तक सड़के चौड़ीकरण पर 3353.24 लाख को स्वीकृति दी गई।

ओम शांति नहीं, अब ओम क्रांति का समय है: गिरिराज

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह एक बार फिर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने धार्मिक स्वर में एक विवादास्पद टिप्पणी करते हुए साधु-संतों से 'ओम शांति' की जगह 'ओम क्रांति' का नारा देने की अपील की है। गिरिराज सिंह ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा हो, जैसे भगवान राम और लक्ष्मण ने असुरों का नाश कर धर्म की स्थापना की थी। बेगूसराय में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने भावुक और उग्र भाषण दिया। उन्होंने कहा कि अब केवल ओम शांति से काम नहीं चलेगा। अब ओम क्रांति की आवश्यकता है। समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए साधु-संतों को आगे आना होगा। धर्म की रक्षा और अधर्म का नाश हमारा दायित्व है। उन्होंने भारत माता, भगवान राम, महादेव और कृष्ण के जयकारे लगाए और कहा कि समाज को इन महान आदर्शों की ओर लौटना होगा।

गिरिराज सिंह ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असुरों का विनाश करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों के सिंदूर की रक्षा नरेंद्र मोदी ने की है। जिन लोगों ने सिंदूर मिटाने की कोशिश की, उनका नाश 22 मिनट में कर दिया गया। आज जो भी अधर्म कर रहे हैं, उन्हें राम और कृष्ण की राह पर चलकर समाप्त करना जरूरी है। गिरिराज सिंह के इस बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा होना तय माना जा रहा है। विपक्ष इस बयान को धर्म के नाम पर उकसाने वाला और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के खिलाफ मान सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण, जातीय जनगणना, और धार्मिक ध्रुवीकरण जैसे संवेदनशील मुद्दे चर्चा में हैं।

आरएलएम के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को फिर मिली जान से मारने की धमकी

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय लोक मोर्चा यानी आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार सात जुलाई की शाम 7:25 से 7:36 बजे के बीच मोबाइल नं. 7780012505 से तीन धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। इस बात की जानकारी खुद उपेंद्र कुशवाहा ने दी है।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इससे पूर्व भी मुझे धमकियां मिल चुकी है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि प्रशासन से अपेक्षा है कि इस प्रकरण की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो।

गौरतलब है कि 19 जून को भी उपेंद्र कुशवाहा को धमकी मिल चुकी है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। उस वक्त उन्होंने बताया था कि उन्हें लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से लगातार सात धमकी भरे कॉल आए। एसएसपी पटना तत्काल संज्ञान लें और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की धमकियां अस्वीकार्य है। इस पूरे व्यवधान को तुरंत समाप्त किए जाने की अपेक्षा है।

हादसे में मंत्री जखमी

लखनऊ। यूपी के हापुड़ में मंगलवार को सड़क हादसा हो गया। हादसे में यूपी की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी घायल हुई हैं। हादसे के संबंध में बताया गया है कि शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के काफिले में चल रही गाडियां आपस में टकरा गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शिक्षा मंत्री के सड़क हादसे में घायल होने पर हापुड़ डीएम ने बताया कि शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार की दोपहर को दिल्ली से बिजनौर की ओर जा रहीं थीं। जैसे ही उनकी कार का काफिला हापुड़ में पिलखुवा स्थित छिजारसी टोल प्लाजा को पार कर आगे बढ़ा ही था, कि तभी आगे चल रही एस्कॉर्ट की कार से शिक्षा मंत्री की कार टकरा गई।

रेल कर्मचारी नहीं जानता था तमिल, इसीलिए हुआ हादसा

एजेंसी/नई दिल्ली

तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार को एक स्कूल वैन चलती ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने इस दुःखद घटना के लिए माफी मांगते हए रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर दिया और उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने इस दर्घटना को भाषा से जोड़ दिया है।

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने खुद कहा है की यह इसलिए हुआ क्योंकि

ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तमिल भाषा नहीं जानता था। उसे जो कमांड दी गई थी वह नहीं समझ पाया। अब जो दुर्घटना हुई है उसमें भी यही हुआ है। ऐसे महत्वपूर्ण पदों पर हमेशा बेहतर होता है कि स्थानीय भाषा जानने वाले लोगों को नियुक्त किया जाए ताकि यह मददगार हो।

चलती ट्रेन की चपेट में आया स्कूल वैन: रेलवे ने बताया कि सुबह करीब 7:85 बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया। रेलवे ने कहा कि वैन चालक ने स्कूल पहुंचने में देरी से बचने के लिए फाटक पार करने की अनुमति देने के लिए कहा और गेटकीपर ने नियमों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर फाटक पार करने की अनुमति दे दी। गेटकीपर को नियमों के अनुसार फाटक नहीं खोलना चाहिए था। गेटकीपर को निलंबित कर दिया गया है और उसे सेवा से बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है।

बैंकिंग समेत कई सेवाएं आज होंगी ठप

नई दिल्ली। देश में बुधवार को एक बड़ा विरोध-प्रदर्शन होने जा रहा है। 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी और मजदूर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ भारत बंद में हिस्सा लेंगे। इनका आरोप है कि सरकार की नीतियां मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और कॉरपोरेट परस्त हैं।

इस हड़ताल से देशभर में व्यापक असर पड़ने की आशंका है। आर्थिक नुकसान के साथ-साथ, कई प्रमुख सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान 10 प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने किया है। बैंकिंग और बीमा, पोस्टल और कोयला खनन, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण, सरकारी निर्माण परियोजनाएं, राज्य परिवहन सेवाएं (कई राज्यों में) इन सेक्टरों में कामकाज ठप होने से करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इस बार संयुक्त किसान मोर्चा और कृषि श्रमिक यूनियनों के संयुक्त मंच ने भी हड़ताल को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके तहत ग्रामीण भारत में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और रोड जाम की तैयारी की जा रही है। हड़ताल का असर बैंकिंग, डाक विभाग, कोयला खनन, सार्वजनिक परिवहन और फैक्ट्रियों में साफ तौर पर देखा जा सकता है।

भारत के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई का प्रतीक होगा यह पुल

ऑपरेशन सिंदूर की बहादुरी को समर्पित मुंबई का नया ब्रिज

एजेंसी/नई दिल्ली

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में जल्द ही एक नया ब्रिज लोगों के यातायात के लिए खोला जाएगा, जिसे 'सिंदूर' नाम दिया गया है। यह ब्रिज पुराने 154 साल पुराने कर्नाक ब्रिज की जगह बनाया गया है, जिसे नवंबर 2022 में असुरक्षित पाए जाने के बाद गिरा दिया गया था। नई बात यह है कि इस ब्रिज को 'ऑपरेशन सिंदूर' के सम्मान में नामित किया गया है- वो ऑपरेशन जिसमें भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सख्त

कार्रवाई की थी। ये पुल अब सिर्फ एक कंक्रीट की स्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई का प्रतीक होगा। यह नया ब्रिज न सिर्फ तकनीकी रूप से मजबूत और टिकाऊ है, बल्कि मुंबई की जनता के लिए सुरक्षा और भरोसे का नया प्रतीक भी बन गया है। शहर की व्यस्त सड़कों को जोड़ने वाला यह पुल, आधुनिकता और देशभक्ति का संगम कहलाएगा।

ऐतिहासिक धरोहर में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है: इस प्रकार, मुंबई का यह नया ब्रिज न केवल एक यातायात मार्ग है, बल्कि देशभक्ति और साहस की मिसाल भी है, जिसे ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में नाम दिया गया है। यह ब्रिज मुंबई की ऐतिहासिक धरोहर में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है। मस्जिद रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित और पीडी मेलो रोड को जोड़ने वाला 'सिंदूर' फ्लाईओवर (पूर्व में कर्नाक ब्रिज) अब पूरी तरह तैयार है और इसका उद्घाटन गुरुवार, 10 जुलाई को सुबह 10 बजे किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार और विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। 22 अप्रैल को पाकिस्तान के आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकी हमला किया।

मशाल खेल प्रतियोगिता संपन्नः विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

♦ राज हाई स्कूल के खेल मैदान में संपन्न हुआ दो दिवसीय मशाल खेलकूद प्रतियोगिता

केटी न्यूज/डुमरांव

राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन मंगलवार को हुआ। दो दिनों में अंडर 14 एवं अंडर 16 आयु वर्ग के सभी विधाओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंतिम दिन फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल इत्यादि में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुदूर क्षेत्र से आए तमाम प्रतिभागियों में एक अजीब सा उत्साह था। इस खेल प्रतियोगिता में सभी विजेता एवं उपविजेता को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए शुभकामना दिया गया।

खेल में सभी शारीरिक शिक्षकों एवं उनसे जुड़े सभी पदाधिकारी का योगदान काफी सराहनीय रहा। प्रतिकूल मौसम तथा तल्ख धूप के बावजूद प्रतिभागी छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था। अंत में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधांशु सिंह एवं राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग कुमार मिश्र के द्वारा प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया एवं अपने जिले का नाम रौशन करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। बीईओ बच्चों का उत्साहवर्धन किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए किसी भी क्षेत्र में अव्वल बनने के लिए प्रेरित किया। मौके पर शैलेंद्र कुमार पांडेय, विमल कुमार सिंह, नवनीत कुमार, नवीन कुमार तिवारी, सुडु सिंह, चुन्नू सिंह, राकेश कुमार, अरुण कुमार ओझा, मो. मुस्ताक, रवि प्रकाश, सायरा बानो, शशिकला, प्रिया रंजन, राधेश्याम दुबे, सत्येंद्र, कृष्णा, दयाशंकर प्रसाद, गजेंद्र सिंह, कृष्ण बिहारी प्रसाद, जयप्रकाश, उत्सव कुमार, मदन, बिहारी, सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-16 वर्ग में केसठ बना विजेता

केसठ। प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को केसठ के कामदा शिरोमणि उच्च विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता शनिवार से प्रारंभ होकर तीन दिनों तक चली, जिसमें प्रखंड के तीनों संकुल (सीआरसी) स्तर पर चयनित अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, थ्रो बॉल और साइक्लिंग जैसे खेलों का आयोजन किया गया। अंडर-16 बालक वर्ग के कबड्डी में उच्च विद्यालय केसठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि उपविजेता का स्थान उच्च विद्यालय रघुनाथपुर को मिला। बालिका वर्ग में भी केसठ की टीम ने प्रथम स्थान और रघुनाथपुर की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं, अंडर-14 बालक व बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय केसठ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान आकर्षित किया। फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-16 वर्ग में केसठ विजेता तथा रघुनाथपुर उपविजेता रहा। अंडर-14 वर्ग का फुटबॉल मुकाबला केसठ और रघुनाथपुर के बीच खेला गया जो बराबरी पर समाप्त हुआ। समापन समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी लवकुश सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण ईमानदारी और लगन होती है। कार्यक्रम में उमेश कुमार, सत्येंद्र कुमार, मनोज कुमार, त्रिवेणी राम, नशरुद्दीन, भावना कुमारी, संतोष कुमार सहित तीनों सीआरसीसी एवं कई शिक्षक उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार एवं खेल शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चकौड़ा गांव में मिली मृत नर्तकी की हुई पहचान

नावानगर। पांच जुलाई को बासुदेवा थाना क्षेत्र के चकौड़ा गांव में एक घर के छत के पिलर से झूलते हुए एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया गया था। सोमवार को युवती की पहचान यूपी के सोनभद्र जिला अंतर्गत जुगैल जुगैल गांव निवासी जवाहर की पुत्री अनीता कुमारी के रूप में की गई। शव की पहचान मृतका के माता-पिता द्वारा की गई, जो बासुदेवा थाना पहुंचकर पुलिस द्वारा रखे गए फोटो को देखकर फूट-फूट कर रोने लगे। इस दौरान माहौल भावुक हो गया।

थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि मृतका का शव पांच जुलाई को चकौड़ा गांव में एक निमार्णाधीन घर के पिलर से झूलता हुआ पाया गया था। शुरूआती जांच में शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात शव के रूप में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब मृतका के पिता जवाहर द्वारा दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में किन्हीं दो संदिग्धों पर उनकी पुत्री के साथ अनहोनी की आशंका जताई गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोनों आरोपियों की तलाश जारी है। फिलहाल शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

मतदाता पुनरीक्षण, जिलाधिकारी ने सभी आरओ व एआरओ के साथ किया वीसी, दिए निर्देश

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को ससमय एवं शुद्धता से पूर्ण कराएं : डीएम

♦ डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के बीएलओ के साथ एसडीएम ने किया

केटी न्यूज/बक्सर

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के मद्देनजर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई।

इस वीसी में जिलाधिकारी ने प्रखंडवार बीएलओ के माध्यम से मतदाताओं से प्राप्त गणना प्रपत्र एवं प्रपत्र की एप पर प्रविष्टि की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को पूरी सतर्कता एवं तत्परता से कार्य ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन एप पर गणना प्रपत्र की प्रविष्टि के दौरान विशेष सावधानी की जरूरत है। यदि एप पर गलत प्रपत्र प्रविष्ट होगा तो उसका सुधार संभव नहीं है। वहीं उन्होंने कहा कि समय से काम पूरा नहीं करने वाले बीएलओ के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी है। जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को ससमय एवं शुद्धता पूर्वक पूर्ण कराने के लिए सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया तथा हर दिन इस काम की मॉनिटरिंग करने की जिम्मेवारी दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाती है। उन्होंने सभी आरओ तथा एआरओ को कार्यों के निष्पादन में शुद्धता तथा समय का ध्यान रखने को कहा।

डुमरांव एसडीएम ने नप क्षेत्र के बीएलओ को एप पर प्रविष्टि की दी जानकारीः वहीं, दूसरी तरफ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के मद्देनजर राकेश कुमार निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी डुमरांव सह अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव की अध्यक्षता में डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के साथ नगर परिषद डुमरांव में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया।

एसडीएम ने छात्राओं को किया प्रेरित

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2025 का कार्य जोरों पर चल रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को सुमित्र महिला महाविद्यालय के सेमिनार सभागार में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस, राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा कॉलेज की सैकड़ों छात्राएं एवं प्रवक्ताओं ने भाग लिया। एसडीएम राकेश कुमार ने छात्राओं को अभियान से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी और उन्हें सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

एसडीएम ने कहा कि लोकतंत्र की नींव मजबूत करने के लिए हर नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। इसमें नागरिकों को अपना सही विवरण, आवश्यक स्वप्रमाणित दस्तावेज और घोषणापत्र संलग्न कर बीएलओ को उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में नागरिक अपने मोबाइल फोन या ऑनलाइन माध्यमों से भी यह फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी इस अभियान को सफल बनाने में सबसे अहम भूमिका निभा सकती है।

वहीं, प्राचार्या डॉ. शोभा सिंह ने कहा कि हमारे एनसीसी व एनएसएस की छात्राएं बीएलओ के संपर्क में रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को इस अभियान की जानकारी देंगी और उन्हें फॉर्म भरने में मदद करेंगी। प्रोफेसर डॉ. सुभाष चंद्रशेखर, डॉ. कुमार मंगलम, भूगोल विभाग के डॉ. संजय कुमार सिंह, तथा प्रो. डॉ. वीरेंद्र बिहारी सिंह ने भी इस अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

चौसा नपं की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में साफ-सफाई सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत के सशक्त स्थायी समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता नपं अध्यक्ष किरण देवी ने व संचालन कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार ने किया।

बैठक में क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधा से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। अध्यक्ष ने बताया कि नगर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रात्रिकालीन रोशनी की समुचित व्यवस्था नहीं है। इस पर विचार करते हुए तय किया गया कि जल्द ही चिन्हित स्थानों पर मिनी हाई मास्ट लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे रात के समय लोगों को सुविधा हो और असामाजिक गतिविधियों पर भी अंकुश लग सकें। इसके अलावा नगर पंचायत क्षेत्र के कुछ वार्डों में सड़कों पर ईंट के टुकड़ों फेंके जाने की जरूरत है। बाद में सड़क का निर्माण कराया जाएगा अध्यक्ष ने तत्काल सफाई अभियान तेज करने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को आवागमन में कोई दिक्कत न हो। विशेष रूप से सावन माह को ध्यान में रखते हुए, मंदिरों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने पर बल दिया गया।

बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में एक स्थायी शादी मंडप बनाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने सुझाव दिया कि एक ऐसा सामुदायिक भवन बनाया जाए, जो आम लोगों के लिए कम खर्च में उपलब्ध हो और विवाह या सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित हो।

छह माह से कमल नगर मोहल्ले में अवरूद्ध नाली का पानी, सड़ांध लोगों का जीना मुहाल

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के रिहायसी कॉलानी में शामिल वार्ड 18 के कमल नगर मोहल्ले में पिछले छह माह से नाली का पानी का निकास अवरूद्ध हो गया है। जिस कारण नाली में गंदा पानी जमा होने के साथ ही कई जगहों पर यह पानी ओवरफ्लो हो सड़क पर आ गया है।

लंबे समय से जलजमाव के कारण नाली का पानी काला पड़ गया है तथा इससे उठने वाले दुर्गंध से मोहल्लेवासियों का जीना मुहाल हो गया है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद का कई बार ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया है, लेकिन संबंधित पदाधिकारी बेफिक्र बने हुए है। मोहल्ले के धीरज ठाकुर, संदीप ओझा, बाबू राम राय, संजय यादव आदि ने बताया कि जल निकासी को सुचारू करने के लिए ही नगर परिषद प्रशासन द्वारा महाराजा पेट्रोल पंप के मुख्य गेट पर नाली के उपर स्लैब ढाला गया था, जो कुछ दिन के बाद ही ध्वस्त हो गया। वहीं, मुख्य पथ के नीचे से नाला का मरम्मत कार्य भी कराया गया था, बावजूद जलनिकासी नहीं हो सकी। जिससे महाराज पेट्रोल पंप के आगे तथा पीछे वाली गली में पानी ओवर फ्लो कर रहा है। जबकि इस तरफ रिहायशी कॉलोनी बासती है। पेट्रोल पंप के पीछे वाली गली में आलम यह है कि गली के आधे हिस्से में नाली का पानी जमा हो गया है, जिससे आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

शादी की नीयत से किशोरी का अपहरण, नामजद प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी को बहला-फुसला कर शादी की नीयत से अपहरण किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में किशोरी के पिता भुअर पंडित ने गांव के ही अर्जुन पासवान के खिलाफ नावानगर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित पिता ने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनकी नाबालिग बेटी को अर्जुन पासवान द्वारा बहला-फुसला कर घर से गायब कर दिया गया है। उन्होंने आशंका जताई है कि आरोपी युवक ने शादी की नीयत से इस घटना को अंजाम दिया है। इस मामले की पुष्टि करते हुए नावानगर थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम को सक्रिय कर दिया गया है और जल्द ही किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है। गांव में इस घटना को लेकर लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संकल्प हमारा न टूटे नहीं, एक भी मतदाता न छूटे नारों के साथ जदयू ने निकाली साइकिल रैली

केटी न्यूज/डुमरांव

मतदाता विशेष पुनरीक्षण जागरुकता अभियान को सफल बनाने तथा सभी वैध व योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से जोड़ने के लिए जदयू ने मंगलवार को साइकिल रैली निकाल लोगों को जागरूक किया।

रैली जदयू प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर निकाली गई। जो नया थाना से नया तालाब रोड, पुराना थाना रोड, गोला रोड, चौक रोड होते हुए राजगढ़ चौक तक पहुंचा। साइकिल रैली कार्यक्रम प्रखंड जदयू सह नगर जदयू के संयुक्त नेतृत्व में निकाली गई थी, जिसकी अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद लोदी एवं संचालन नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में डुमरांव विधान सभा के प्रभारी सह बीएलए - वन नथुनी प्रसाद खरवार, डुमरांव विधान सभा के पूर्व प्रत्यासी सह जदयू के प्रदेश प्रवक्ता अंजूम आरा, जदयू के बरिष्ठ नेता सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश कुमार सिंह, जदयू नेता प्रशांत कुमार उर्फ सोनू सिंह, जदयू के जिला उपाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रीति पटेल, जिला महासचिव संजय सिंह, जिला महासचिव विनोद सिंह, जिला सचिव संजय राय, जिला सचिव पारस चौधरी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष शोहराब कुरैशी, बबन खरवार, विमलेश सिंह, उमेश गुप्ता, गजेन्द्र खरवार, लक्ष्मण चौधरी, राजेश खरवार, पंकज उपाध्याय व अन्य मौजूद रहे।

खाली ट्रक से मिली शराब, एक गिरफ्तार

बक्सर। उत्पाद विभाग ने एक खाली ट्रक के उपरी हिस्से में बने विशेष तहखाने से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है। उत्पाद विभाग की टीम ने शराब तस्करी के आरोप में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त ट्रक से रॉयल ग्रिन ब्रांड विदेशी शराब की 180 कॉर्टन में कुल 1600 लीटर शराब बरामद हुई है। जिसकी कीमत 30 लाख रूपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान यूपी के बिजनौर निवासी अनिश अहमद के रूप में हुई है।

डुमरांव पीएचसी में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर, दर्जनों कैडेट्स व युवाओं ने किया रक्तदान

रक्तदान से शरीर को नहीं होता कोई नुकसानः एमओआईसी

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार को स्थानीय पीएचसी परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर सुमित्रा महिला कॉलेज व डीके कॉलेज डुमरांव के दर्जन एनसीसी कैडेट्स व सामाजिक कार्यकताओं ने रक्तदान किया।

यह रक्तदान शिविर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित हुआ था। जिसमें नगर परिषद के ईओ मनीष कुमार, 30 बिहार बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन, एडम कमांडर हेमंत बेलवाल समेत दर्जनो अन्य गणमान्य व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्तदान से पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद ने लोगों को रक्तदान के संबंध में फैली भ्रांतियों से दूर रहने की नसीहत दी और कहा कि रक्तदान से शरीर को किसी तरह का नुकसान नहीं होता है, बल्कि रक्तदान करने के बाद हमारे शरीर में खून बनने की प्रक्रिया पहले से तेज हो जाती है। उन्होंने कहा कि हर स्वस्थ्य व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।

वहीं, 30 बिहार एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन ने कहा कि रक्तदान महादान है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को नियमित तौर पर रक्तदान करने की नसीहत दी और कहा कि आपके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी की जान बच जाती है तथा जब आपकों या आपके परिवार को किसी बीमारी या दुर्घटना के समय रक्त की जरूरत पड़ती तो आपकों आसानी से रक्त मिल जाता है।

वहीं, दूसरी ओर नगर परिषद के ईओ मनीष कुमार ने इस आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद दिया और कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को हर तीन महीने पर रक्तदान करना चाहिए। ऐसा कर हम पीड़ित मानवता की बड़ी सेवा करते है। इस मौके पर नगर के युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय, सुमित्रा कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स अंजना कुमारी, प्रिया कुमारी, रिया कुमारी, कृति शर्मा, सोनम कुमारी, डीके कॉलेज के सोनू कुमार, अभिनव गिरी, अनुप कुमार, दीपू टाईगर, पिंटू कुमार, रूपेश कुमार, साहिल कुमार आदि एनसीसी कैडेट्स ने रक्तदान कर इस अभियान को सफल बनाया।

मौके पर एनसीसी के बीएचएम राहुल सिंह, सीएचएम नीतीश कुमार समेत दर्जनों गणमान्य व सामाजिक कार्यकर्ता तथा युवा मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

डीएसपीएमयू बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 25 तक आवेदन करें

रांची, एजेंसी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स कोर्स में एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक और अर्हता रखने वाले स्टूडेंट्स चांसलर पोर्टल के माध्यम से 25 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ. जेपी शर्मा ने बताया कि इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए इंटरमीडिएट या 12वीं साइंस में 45 प्रतिशत अंक जरूरी है। यह जॉब ओरिएंटेड कोर्स है। सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं है।

देवघर में जमीन विवाद ; घर में फेंके सुतली बम :बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज

देवघर, एजेंसी। देवघर के सत्संग बिजली फीडर गली, बसमता मोहल्ले में जमीन विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया। देर रात एक घर में दो सुतली बम फेंके गए। प्रकाश यादव के घर को निशाना बनाया गया। प्रकाश यादव ने बताया कि पुराने जमीन विवाद के कारण कुछ लोगों ने यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। इसी रंजिश में यह घटना की गई है। सूचना मिलते ही देवघर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते को बुलाया। बम स्क्वॉड की टीम ने दोनों सुतली बम को सफलतापूर्वक डिफ्यूज कर दिया। घटना से मोहल्ले में दहशत का माहौल है। पुलिस की समय पर कार्रवाई से कोई अनहोनी नहीं हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर में आया बच्चा चोर, डेढ़ लाख में मासूम का सौदा करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में इन दिनों बच्चा चोर सक्रिय है. पुलिस ने मासूम बच्चों का सौदा करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही चोरी हुए बच्चे को भी सकुशल बरामद कर लिया है. मासूम का चोरों ने 1 लाख 80 हजार रुपये में सौदा किया था. बच्चा चोरी की शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार किया. मामले में मिली जानकारी के अनुसार बीते 1 जुलाई को जिले के महेश सोनी चौक के पास से एक डेढ़ साल का बच्चा लापता हो गया था. परिजनों ने आसपास काफी छानबीन की लेकिन बच्चे का कहीं कुछ पता नहीं चला. अंत में परिजनों ने 6 जुलाई को लापता बच्चे की शिकायत दर्ज करवायी. शिकायत मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गयी और मामले की छानबीन शुरू कर दी. पुलिस ने महेश सोनी चौक के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपियों की पहचान की. इसके बाद पुलिस की टीम ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया और बच्चे को भी सकुशल बरामद किया. यह जानकारी एसडीपीओ सदर अमित आनंद ने दी. उन्होंने बताया कि अपहरण महज 1.80 लाख रुपये में बच्चे को बेचने के लिए की गयी थी.

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के साथ कांग्रेस मंत्रियों की बैठक, जनता से किए गए वादे और एजेंडे की समीक्षा

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार सोमवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के आवास पर कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के साथ बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के समग्र विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार में कांग्रेस पार्टी के एजेंडे और वादों की प्रगति की समीक्षा तथा जनसरोकार से जुड़े विषयों पर त्वरित पहल सुनिश्चित करना था। मनरेगा के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं एवं केंद्र सरकार द्वारा निधियों की प्राप्ति में हो रही अड़चनों पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में कांग्रेस कोटे के सभी मंत्रियों ने जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने और संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। साथ ही आने वाले दिनों में इन विषयों पर क्रमबद्ध रूप से आगे की कार्रवाई करने हेतु एक संयुक्त रणनीति भी तैयार की जाएगी। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड कांग्रेस राज्य के विकास, गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े और आदिवासी समाज के हित में लगातार प्रतिबद्ध है और आगे भी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करती रहेगी।

शराब घोटाले में अब अतुल कुमार सिंह और मुकेश मनचंदा गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत जांच कर रही झारखंड एसीबी ने सोमवार की शाम छत्तीसगढ़ की शराब आपूर्ति कंपनी के दो निदेशकों को गिरफ्तार कर लिया है। इन निदेशकों में श्री ओम साईं ब्रिवरीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक अतुल कुमार सिह व मुकेश मनचंदा शामिल हैं। दोनों ही आरोपित छत्तीसगढ़ के निवासी हैं।

एसीबी ने सोमवार को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद देर शाम इन्हें गिरफ्तार किया गया है। एसीबी इन दोनों ही आरोपितों को मंगलवार को रांची स्थित एसीबी की विशेष अदालत में पेश करेगी। इन दोनों की गिरफ्तारी के साथ ही शराब घोटाला मामले में अब तक कुल दस गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इससे पहले, एसीबी ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार, प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह, पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश, छत्तीसगढ़ का शराब कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया, मेसर्स प्रिज्म होलोग्राफी के प्रबंध निदेशक विधु गुप्ता को गिरफ्तार किया था। सभी न्यायिक हिरासत में रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं।

सिद्धार्थ सिंघानिया व विधु गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद सामने आई इन दोनों की भूमिका : झारखंड में मई 2022 में तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के कार्यकाल में लागू नई उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया के प्रवेश के साथ ही छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के सभी संदिग्धों का भी झारखंड में प्रवेश हो गया।

सिद्धार्थ सिंघानिया का शराब आपूर्ति कंपनियों में भी पकड़ थी। उसने अपने अनुसार तत्कालीन उत्पाद नीति में कुछ नियम व शर्तें भी जुड़वाईं। झारखंड में शराब की आपूर्ति कर रही कंपनियों को प्रभावित किया और छत्तीसगढ़ की कंपनियों का प्रवेश कराया। इन्हीं कंपनियों में एक नाम श्री ओम साईं ब्रिवरीज प्राइवेट लिमिटेड का आया।

इस कंपनी ने भी छत्तीसगढ़ के साथ-साथ झारखंड में भी नियम विरुद्ध शराब की आपूर्ति कर शराब घोटाले में अपनी भूमिका निभाई और इससे जुड़े अधिकारियों को कमीशन देकर मालामाल किया।

एसीबी की जांच में इस कंपनी की संलिप्तता सामने आने के बाद इसके दोनों निदेशकों को एसीबी ने समन कर पूछताछ के लिए बुलाया था। सोमवार को पूछताछ के बाद दोनों ही गिरफ्तार हुए। अब इनसे पूछताछ में कई और नाम जुड़ेंगे, जिनकी भविष्य में गिरफ्तारी हो सकती है।

हजारीबाग के इन स्कूलों में शिक्षकों को मिल रही लैंग्वेज लैब संचालन की ट्रेनिंग

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट एवं आदर्श स्कूलों में स्थापित लैंग्वेज लैब प्रयोगशालाओं के संचालन के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक अपने-अपने स्कूलों में लैंग्वेज लैब का बेहतर तरीके से संचालन कर सकेंगे और विद्यार्थियों को भाषाई ज्ञान में सुधार करने में मदद कर सकेंगे।

जानकारी के अनुसार, जिले के 4 सीबीएसई आधारित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट और 19 आदर्श स्कूलों में पहले बैच की ट्रेनिंग सात जुलाई को पूरी हो गयी। अब नौ जुलाई से दूसरे बैच का प्रशिक्षण शुरू होगा। इसे 16 जुलाई तक पूरा किया जायेगा। वहीं, अंतिम और तीसरा बैच 18 से 25 जुलाई तक चलेगा। हजारीबाग जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में पांच बैच में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें दो बैच (चौथा एवं पांचवां) में रामगढ़ जिले के शिक्षक शामिल होंगे।

बताया गया कि रामगढ़ के लिए चौथा बैच 27 जुलाई से दो अगस्त तक और पांचवां बैच चार से 11 अगस्त तक पूरा किया जायेगा। एक बैच में लगभग 60 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक बैच के शिक्षकों को सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण मिल रहा है। ट्रेनिंग लेने वाले शिक्षक अपने-अपने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट एवं आदर्श स्कूलों में लैंग्वेज लैब प्रयोगशाला को बेहतर तरीके से संचालन करने में मददगार बनेंगे।

शिक्षकों के मदद से कक्षा छह से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी लैंग्वेज लैब का सहारा लेकर अंग्रेजी, संस्कृत सहित अन्य कई भाषाई ज्ञान को बढ़ाएंगे। शिक्षकों के प्रशिक्षण सहित लैंग्वेज लैब प्रयोगशालाएं की स्थापना पर झारखंड शिक्षा योजना परिषद की ओर से लाखों रुपये खर्च किया गया है। लैंग्वेज लैब प्रयोगशाला को आधुनिक बनाया गया है। प्रयोगशाला में सभी तरह के संसाधन मौजूद हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभ मिलना तय किया गया है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में झारखंड आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने 9 जुलाई को धरना का किया ऐलान

रांची, एजेंसी। झारखंड आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने 9 जुलाई को एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना का ऐलान किया है। यह प्रदर्शन केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न क्षेत्रीय फेडरेशनों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में किया जा रहा है। संघ की ओर से मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजे गए पत्र में जानकारी दी गई है कि राज्य के सभी प्रखंडों और जिला मुख्यालयों के समक्ष आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका धरना देंगी। इस दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। इसके लिए सुबह के 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है।

संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा ने बताया कि यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। धरना के दौरान एक मांग पत्र प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जाएगा, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार से संबंधित लंबित मुद्दों को उठाया जाएगा। संघ का आरोप है कि आंगनबाड़ी कर्मियों का मानदेय, सेवा शर्तें, स्थायीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसी मांगें लंबे समय से लंबित हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बार-बार आश्वासन के बावजूद इन मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है।

बालमुकुंद सिन्हा ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को न्यूनतम सम्मान और सुविधा नहीं मिल रही है। इससे कर्मियों में नाराजगी है, जो अब सड़क पर उतरने को मजबूर हैं। बालमुकुंद सिन्हा ने राज्य सरकार से धरना स्थल पर ज्ञापन स्वीकार कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही यह भी अनुरोध किया गया है कि इस धरना कार्यक्रम की जानकारी प्रशासनिक स्तर पर सभी संबंधित अधिकारियों को दी जाए, ताकि शांतिपूर्ण आयोजन में कोई बाधा न हो।

बिहार में जेएमएम को सीटें देने को राजद तैयार, अब और मजबूत होगी हेमंत और तेजस्वी की दोस्ती

रांची, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने संकेत दिए हैं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है।

झामुमो ने बिहार में 12 वैसे विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है, जो झारखंड की सीमा से सटे हुए हैं। इसके साथ ही, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) भी महागठबंधन में शामिल होने की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे गठबंधन की ताकत और बढ़ने की संभावना है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए सीटों की मांग रखी है। तेजस्वी यादव ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि राजद और झामुमो के बीच लंबे समय से गठबंधन का रिश्ता रहा है और उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा।

दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच जल्द ही एक औपचारिक बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें सीटों की संख्या और क्षेत्रों पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय के मुताबिक गठबंधन में झामुमो को साथ लेने से बिहार में मजबूती मिलेगी। झामुमो का वोट बैंक चुनाव परिणामों पर सकारात्मक असर डालेगा।

दरअसल, झामुमो की नाराजगी को देखते हुए राजद एक संतुलित रणनीति अपना रहा है। पिछले वर्ष हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में राजद को राज्य में सात सीटें मिली थीं। अब बिहार में झामुमो की मांगों को पूरा करने के लिए राजद सावधानीपूर्वक कदम उठा रहा है ताकि, गठबंधन में दरार न आए।

तेजस्वी ने पटना में कहा है कि हम सब मिलकर बिहार में एनडीए को हराने के लिए एकजुट हैं। सभी सहयोगी दलों की मांगों का सम्मान किया जाएगा।

शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान की जयंती समारोह में तेजस्वी यादव ने पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले रालोजपा को भी गठबंधन का हिस्सा बनाने पर हामी भरी है।

तेजस्वी ने यह भी बताया कि वे रांची जाकर झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन से मिलने वाले थे, लेकिन उनकी तबीयत खराब होने के कारण यह मुलाकात टल गई। हेमंत सोरेन के साथ उनकी बातचीत हुई है और झामुमो ने महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई है।

तेजस्वी ने कहा कि हम चाहते हैं कि एनडीए को हराने के लिए सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतें एकजुट हों।

पलामू में पत्नी को टांगी से मार किया घायल 20 दिन पहले 10वें बच्चे को दिया था जन्म

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र स्थित निमसी टोला में आज सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक पति ने पत्नी पर टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 4 बजे राजेंद्र भुइयां ने अपनी पत्नी मिलू देवी को शौच के बहाने घर से बाहर बुलाया और कुछ दूर जाकर उसकी गर्दन और पीठ पर टांगी से वार कर दिया। अचानक हुए हमले से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

चीख-पुकार सुनकर उनका बेटा अखिलेश मौके पर पहुंचा। बेटे को आता देख आरोपी पिता मौके से भाग निकला। आनन-फानन में घायल महिला को मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।

20 दिन पहले 10वें बच्चे को दिया था जन्म : घायल मिलू देवी ने 20 दिन पहले ही अपने 10वें बच्चे को जन्म दिया था। पीड़िता के कुल 10 बच्चे हैं, जिनमें सात बेटियां और तीन बेटे हैं। परिवार के अनुसार, घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी भी तरह का विवाद भी नहीं हुआ था।

घर के अन्य सदस्य घटना के वक्त मौजूद नहीं थे। दो बेटियां धान की रोपाई करने के लिए बाहर गई थीं, जबकि एक बेटा मजदूरी करने गया था। परिवार के एक बेटे की शादी हो चुकी है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को प्राथमिक आर्थिक मदद भी दी। फिलहाल पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की जांच कर रही है। अब तक हमले की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

कोडरमा में 16 हजार छात्रों को शिक्षण सामग्री की सौगात, दिव्यांगों को मिली बैट्री वाली ट्राई साइकिल

कोडरमा, एजेंसी। सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की ओर से कई दिव्यांगजनों को बैट्री ट्राइसाइकिल, आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को स्कूल बैग समेत एजुकेशनल ड्रेस और आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को फ्री में स्कूल किट दी गई। यह कार्यक्रम कोडरमा जिले के बिरसा सांस्कृतिक भवन में आयोजित किया गया।

मौके पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद थीं। जिनकी पहल से यूनिसेड के सर्वे के आधार पर मंत्रालय की ओर से हिंदुस्तान पेट्रोलियम और सीसीएल के सीएसआर फंड से बैट्री ट्राई साइकिल व शिक्षण किट का वितरण किया गया। इस मौके पर उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव समेत जिले के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

16 हजार बच्चों को मिली पठन पाठन सामग्री : कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं निपुण भारत कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षा और स्वास्थ्य को सुदृढ और बेहतर बनाने के लिए पठन-पाठन सामग्री व ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। इस दौरान कोडरमा जिले के 750 आंगनबाड़ी केंद्र के कुल 16 हजार बच्चों को प्री स्कूल किट दी गई जबकि दर्जन भर दिव्यांग बच्चों को ट्राई साइकिल के साथ साथ जरुरी उपकरण बांटे गए।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को सक्षम बनाने के लिए, न सिर्फ सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया जा रहा है बल्कि पोषण के साथ शिक्षण की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को आईआईटी कानपुर के द्वारा खास तौर पर तैयार करके एजुकेशनल डेस्क दिया गया है, जिससे बच्चों में लिखने की क्षमता भी विकसित होगी।

रांची में साइबर अपराधियों का गिरोह एक्टिव, एटीएम फ्रॉड के जरिये लोगों को बना रहा शिकार

रांची, एजेंसी। आये दिन ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए लोग एटीएम से पैसा निकालना सुरक्षित समझते हैं, लेकिन अब राजधानी रांची के एटीएम पर भी साइबर धोखाधड़ी करने वालों की पैनी नजर है। खासकर उन एटीएम पर जहां सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं होती है। ऐसे में आप अगर एटीएम से पैसा निकालने जा रहे हैं, तो सावधान हो जायें। आपकी थोड़ी सी चूक आपका खाता खाली कर सकती है। राजधानी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित एटीएम पर साइबर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। आम लोग पैसा निकालने के लिए एटीएम पर जाते हैं। एटीएम में डेबिट कार्ड डालकर पैसा निकालते हैं, कई बार पैसा नहीं भी निकलता है। लेकिन दोनों ही स्थिति में एटीएम में डेबिट कार्ड फंस जाता है। बाद में जिस व्यक्ति का कार्ड फंसता है उसके खाते से अवैध निकासी हो जाती है।

जानकारी के अनुसार, यह गिरोह लंबे समय से रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लोगों को निशाना बना रहा है। 3 फरवरी से 22 जून तक के बीच में साइबर ठगों ने सात अलग-अलग जगहों पर लोगों को अपना शिकार बनाया है। ठगों ने इनसे लाखों रुपये की ठगी कर ली। लेकिन इस गिरोह के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। यही वजह है कि अपराधी लगातार वारदात को अंजाम दे रहे हैं। यह गिरोह रांची पुलिस के लिए चुनौती साबित हो रहा है।

पैसा निकालने के लिए लोग एटीएम पर पहुंचते हैं। एटीएम में कार्ड डालते हैं। कभी पैसा निकलता है, कभी पैसा नहीं निकलता है, लेकिन एटीएम में डेबिट कार्ड फंस जाता है। तभी एक अनजान चेहरा सामने आता है। वह आपके कार्ड के फंसने की परेशानी समझकर कहता है कि एटीएम में दीवार पर इंजीनियर का मोबाइल नंबर लिखा है। आप उस नंबर पर डायल कीजिये। इंजीनियर आकर कार्ड निकाल देगा। जब व्यक्ति उस नंबर पर डायल करता है, तब उधर से एक आदमी कहता है कि आप थोड़ी दूर पर स्थित एटीएम पर चले जायें। वहां पर गार्ड है। वह आकर कार्ड निकाल देगा।

जब तक व्यक्ति दूसरे एटीएम पर जाता है और वापस आता है तब तक एटीएम से उनका डेबिट कार्ड निकल जाता है। थोड़ी देर बाद उनके मोबाइल पर पैसे की निकासी किये जाने का मैसेज आता है।

मुहर्रम जुलूस में झड़प के बाद पाल्हे गांव सहमा: गलियों में तैनात पुलिस

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव में रविवार शाम मुहर्रम जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इसके बाद गांव में तनाव गहराया हुआ है। चारों तरफ सन्नाटा पसरा है। घरों के दरवाजे बंद हैं, लोग डरे-सहमे हैं। बाजार और स्कूल बंद हैं। गांव में पुलिस का पहरा है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। घटना रविवार देर शाम की है। पाल्हे गांव में ताजिया जुलूस कर्बला पहुंच चुका था। तभी अचानक शोरगुल शुरू हुआ और दो पक्षों में मारपीट हो गई। धार्मिक नारे लगाते हुए लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। गांव की गलियों में भगदड़ मच गई।

एक महिला ने बताया कि मैं बच्चों को लेकर तुरंत घर के अंदर चली गई, बाहर क्या हुआ कुछ समझ नहीं आया। बस शोर था। अब गांव में डर का माहौल है, लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

गांव की गलियों में पुलिस बल तैनात : ग्रामीणों की माने तो जुलूस के दौरान कुछ बातों को लेकर विवाद हुआ था, जो अचानक हिंसक हो गया। गांव की गलियों में अब हर 20-25 कदम पर पुलिस बल तैनात है।

मुख्य सड़क से गांव में जाने वाले रास्तों पर जांच हो रही है। आने-जाने वालों की तलाशी ली जा रही है और पहचान पत्र देखने के बाद ही गांव में प्रवेश दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी गांव में ऐसा माहौल नहीं देखा।

दोनों पक्षों के दो-दो लोग हुए घायल : घटना में दोनों पक्षों के दो-दो लोग घायल हुए हैं। सभी का इलाज पुलिस और प्रशासन की निगरानी में कराया जा रहा है। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर हालात को काबू में किया। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। गांव में अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और जिले के वरिष्ठ अधिकारी लगातार कैंप कर रहे हैं। गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल की भारी तैनाती है।

गांव में 48 घंटे के लिए निषेधाज्ञा लागू : सदर एसडीएम के आदेश पर गांव में 48 घंटे के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस ने अफवाहों का खंडन किया है जिनमें गोलीबारी और मौत की बात कही जा रही थी। पुलिस अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर रही है और उन पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की ओर से कुल तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें 70 लोगों को नामजद और 250 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। पुलिस इन मामलों में आगे की कार्रवाई में जुटी है। गांव के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द हालात सामान्य होंगे, लेकिन फिलहाल डर का साया हर चेहरे पर साफ देखा जा सकता है।

सुभाषितम्

मित्र को प्रकृति की उत्कृष्ट कृति माना जा सकता है।

-अमरसन

आमदनी चवन्नी खर्चा रुपैया

भारत जैसे विकासशील देश में आर्थिक असमानता और सामाजिक दबाव के बीच एक नई खतरनाक प्रवृत्ति उभर रही है। कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। देश में यह ना केवल वित्तीय विफलता है बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, मानसिक, स्वास्थ्य व्यवस्था और उपभोक्तावादी सोच की करुणामय त्रासदी भी है। पहले आम आदमी कर्ज मजबूरी के कारण लेता था। यह मजबूरी भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा या विवाह शादी जैसे कार्यक्रम के लिए कर्ज लिया जाता था। व्यवसायिक विस्तार के लिए भी छोटे-मोटे कारोबारी कर्ज लेते थे। भारतीय संस्कृति में कर्ज लेना सबसे बुरा माना जाता था। पहले सामाजिक व्यवस्था में कर्जदार व्यक्ति को सम्मान भी नहीं मिलता था। कर्ज भी व्यक्ति को उसकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए साहूकार से मिलता था। 2003 के बाद आसानी से बैंकों के माध्यम से कर्ज उपलब्ध होने लगा। बैंक और एनएफसी कंपनियां घर-घर जाकर लोन देने लगी। लोगों को मोबाइल, फोन, टीवी, फ्रिज, मोटर साइकिल, कार, पढ़ाई के लिए आसानी से कर्ज मिलने लगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन लॉटरी, ऑनलाइन गेम और जुए के लिए भी लोग कर्ज लेने लगे हैं। आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया की प्रवत्ती बढ़ती जा रही है। जिसके कारण निम्न और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दब गया है। जब सब कर्ज से उभरने का कोई रास्ता नहीं दिखता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को मारकर खुद आत्महत्या कर लेता है। ऐसे मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। क्रेडिट कार्ड, ईएमआई, माइक्रो फाइनेंस, बाय नाउ-पे लेटर जैसी कर्ज की स्कीमें, जरूरत और विलासिता के बीच का अंतर मिटा चुकी हैं। आम आदमी सुविधाओं, भौतिक सुविधाओं और बाजारवाद के चंगुल में फंसकर कर्ज के मकड़ जाल में फंस जाता है। जिससे निकल पाना उसके लिए लगभग असंभव हो जाता है। किश्तों का बोझ, आय का अभाव, समाज का दिखावटी दबाव, आपसी प्रतिस्पर्धा यह सब मिलकर सामाजिक व्यवस्था मे कर्जदार को मानसिक रूप से तोड़ देता है। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण भारतीय समाज बड़े दबाव में है। 2003 के पहले यह दबाव देखने को नहीं मिलता था। बाजारवाद और दिखावे ने भारतीय समाज को आत्महत्या जैसे कृत्य के लिए मजबूर कर दिया है। अब हालात इतने विकट हो चुके हैं। व्यक्ति अकेले आत्महत्या नहीं कर रहा है। अपने छोटे-छोटे बच्चों, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आत्मघात की प्रवत्ती दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यह केवल आर्थिक असफलता नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दबाव का संकेत है। भौतिक आवश्यकताओं की मांग बढ़ने से भारत में यह परिवर्तन पिछले 20 वर्षों में देखने को मिल रहा है। व्यक्ति को जब लगता है, कर्ज से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। समाज उसे विफलता की नजर से देखेगा। ऐसी स्थिति में वह स्वयं और परिवार को कष्ट से छुटकारा दिलाने के लिए परिवार के सदस्यों की हत्या एवं स्वयं आत्महत्या जैसा कदम उठाने लगा है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसके पीछे का मनोविज्ञान समझना समय की जरूरत है। पिछले एक दशक में जिस तरह से आम आदमी पर जुर्माने और टैक्स बढ़ाए गए हैं। उससे लोगों की पूरी सोच को बदल दिया है। वास्तविक जरूरत से चार गुना खर्च बाजारवाद का दबाव है, जो दिखावे के कारण होता है। जिसके कारण लोग परेशान हैं। सरकार को चाहिए यह कर्ज माफी या स्कीमों तक सीमित ना रहे। व्यापक स्तर पर सामाजिक सोच में बदलाव, वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और कर्ज के बोझ से दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में सहायता देने का रास्ता विकसित करे। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक लोगों को सिखाया जाए, कर्ज एक सुविधा है। जिसे जरूरत होने पर ही उपयोग करना चाहिए। कर्ज लेते समय यह ध्यान रखना होगा, कर्ज चुकाना भी उसकी जिम्मेदारी है। समाज को ऐसे लोगों की मदद करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। उन्हें तिरस्कार की दृष्टि अथवा अपेक्षित करने से काम नहीं चलेगा। जब तक सरकार कर्ज को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रखेगी।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है।ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं ! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममां तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे।ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

बारिश का कहरः प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता

- ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता- मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। 2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ह्यऑल वेदर रोडह्ण, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं- अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और ह्यहम साथ हैंह्ण जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है इस करे रेखांकित

-किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती। साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा। साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता। साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दुःखों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है। साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्रायः आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है सपनेहां नहिं देखा परदोषा !अर्थात स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है , जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है , वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्रायः सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी।

महाराष्ट्रः भरत मिलाप - राजनीतिक समीकरण बदलने के संकेत...!

- ओमप्रकाश मेहता

कभी-कभी जो अपने नहीं कर पाते, वह दुश्मन की बदौलत हो जाता है, इसका सबसे तरोताजा उदाहरण है, महाराष्ट्र के उन दो भाइयों का मिलन, जो पिछले दो दशक से प्रतिद्वंदी रहे और अब एक मंच पर एक साथ दिखाई दिए। जी हां, यहां चर्चा महाराष्ट्र की कभी राजनीतिक धुरी रहे ठाकरे परिवार की है, महाराष्ट्र के वरिष्ठ राजनेता बालासाहेब ठाकरे की दिली इच्छा रही कि पूरा ठाकरे परिवार एकजुट रहे तथा प्रदेश पर राजनीतिक राज करें, उन्होंने इस दिशा मे काफी प्रयास भी किये, किंतु उनके जीते जी वह हो नहीं पाया और आज देखिए परिस्थितियों ने दोनों भाइयों राज और उद्धव को एक दूसरे के गले में गलबहियां डालने को मजबूर कर दिया। इसी संदर्भ में राज ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से कहां भी कि- जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए वह दोनों भाइयों के राजनीतिक प्रतिद्वंदी देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया, अभी तक इन दोनों ठाकरे बांधुओं के बीच ही राजनीति बटी हुई थी, जिसका फायदा देवेंद्र फडणवीस जैसे नेता उठा रहे थे, वह अपने आप को खुलेआम बालासाहेब के अनुयाई बता रहे हैं और उन्हीं के बेटों के प्रतिद्वंदी बने हुए हैं और देवेंद्र जैसे नेता मुख्यमंत्री पद के शिखर पर इन्हीं दोनों भाइयों के बीच अनबन के कारण पहुंच गए थे। किन्तु अब बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में नए राजनीतिक समीकरण बनना तय है तथा इन दोनों ठाकरे बंधुओं का राजनीति में दबदबा कायम होना भी सुनिश्चित माना जा रहा है, बशर्ते कि यह दोनों भाई अपने कथनानुसार हर राजनीतिक स्थिति में एकजुट रहे और हर परिस्थिति का मिलकर सामना करें। पिछले दिनों अपने इसी संदेश को सार्वजनिक करने के लिए दोनों भाई एक मंच पर आए जिसे विजय उत्सव नाम दिया गया और स्पष्ट शब्दों में अपने विचार व्यक्त किये उनका कहना था कि वह हिंदू और हिंदुस्तान के समर्थक हैं, किंतु हिंदी के नहीं और महाराष्ट्र में मराठी के उद्भव और विकास के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी, फिर उसे चाहे गुंडागर्दी ही क्यों ना कहा जाए? इसी मंच से राज ठाकरे ने दोनों भाइयों के मिलन का श्रेय अपने प्रतिरोधी प्रतिद्वंदी देवेंद्र फडणवीस को दिया और कहा कि- फडणवीस ने वह कर दिखाया, जो बालासाहेब भी नहीं कर पाए।

जहां तक इन दोनों भाइयों की राजनीति का सवाल है, राज ठाकरे 1989 से राजनीति में सक्रिय हुए और 1995 तक शिवसेना के साथ जुड़े रहे और 2005 में उद्धव ठाकरे शिवसेना प्रमुख हो गए, तो राज को यह नागवार लगा, तब राज ने शिवसेना छोड़कर अपनी एक अलग पार्टी बना ली जिसका नाम महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना दिया गया, जिसका सार्वजनिक एलान 2006 में शिवाजी पार्क की सभा में किया गया। महाराष्ट्र की राजनीति के प्रमुख स्तंभ बालासाहेब ठाकरे के परिवार के इन दोनों युवाओं की राजनीति के वैभिन्नयता का फयदा दूसरे नेताओं ने उठाया और ठाकरे परिवार को दरकिनार कर दिया, किंतु अब करीब दो दशक बाद राजनीतिक रूप से फिर फैरबदल का दौर आया है और अब यह दोनों भाई एकजुट रहकर महाराष्ट्र की राजनीति के प्रमुख स्तंभ बनना चाहते हैं, जिसके लिए उन्होंने विजय उत्सव मनाकर सार्वजनिक घोषणा भी कर दी है।

आज का राशिफल

मेष संभलकर काम करने का दिन है। धन को लेकर सजग रहना होगा, विशेषकर ऋण लेने या देने के मामलों में।

तुला नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन पदोन्नति और वेतन वृद्धि की संभावना लेकर आया है।

वृषभ आज दिन काफी व्यस्तता से भरा बीतेगा। दिनभर कार्यों की अधिकता बनी रहेगी।

वृश्चिक अस्थिरता रह सकती है, अगर आप निर्माण, ठेकेदारी या तकनीकी सेवाओं से जुड़े हैं।

मिथुन आज दिन सुख शांति से बीतेगा। धार्मिक कार्यों व आत्मिक शांति की ओर आपका झुकाव रहेगा।

धनु शोधकर्ताओं और कंसल्टेंसी सेवाओं से जुड़े लोग नए अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं।

कर्क कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे।

मकर जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। घर से जुड़ी किसी मरम्मत या सजावट पर खर्चा हो सकता है।

सिंह आज मन ही मन थोड़ा परेशान रहेंगे। कोई भी जिससे निर्णय लेने में कठिनाई होगी।

कुंभ तकनीक, डिजाइन, एनिमेशन, ऐप डेवलपमेंट या इनोवेशन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी।

कन्या दिन साहस से भरा होगा। आप कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेंगे।

मीन आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके सामने नई आर्थिक संभावनाएं प्रकट होंगी।

विशेष

हिमाचल और उड़ीसा की एक सी घटनाओं पर डबल स्टैंडर्ड

उड़ीसा और हिमाचल प्रदेश में एक ही दिन दो घटनाएं हुई।हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेता और राज्य सरकार के मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग के कर्मचारियों से मारपीट कर अपमानित किया। हिमाचल सरकार ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। नितिन गडकरी हिमाचल सरकार पर भड़क गए। इसी तरह की घटना उड़ीसा के भुवनेश्वर मे हुई।भाजपा के पार्षद अनुरूप नारायण राउत ने नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी को खुलेआम बुरी तरह पीटा। इसका वीडियो बना और वायरल भी हुआ। उड़ीसा में भाजपा की सरकार है। सरकार ने पार्षद के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की। नाही उसके ऊपर अपराधिक प्रकरण दर्ज किया। हिमाचल में भाजपा ने हंगामा मचा दिया। उड़ीसा में चुप्पी साध ली।

भाजपा का समर्थक, मध्य वर्ग नाराज

सोशल मीडिया पर इन दिनों भाजपा का समर्थक काफी नाराज दिख रहा है। एक्स हैंडल पर एक अभियान चल रहा है। यह ठीक करके दिखाओ।मध्य वर्ग विभिन्न समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों पर निशाना साध रहा है। मानसून के इस मौसम में सड़क नाली पार्क जल भराव एवं अन्य समस्याओं से मध्य वर्ग बहुत नाराज है। वह तस्वीरों के साथ पार्षद विधायक सांसद को टैग करके अपनी नाराजी जाता रहा है। कई राज्यों में डबल इंजन और ट्रिपल इंजन की सरकारें हैं। केंद्र सरकार राज्य सरकार और नगरी निकायों में भाजपा का ही कब्जा है।यह अभियान दिनों दिन तेज होता चला जा रहा है।

कार्टून कोना

मराठी भाषा के नाम पर उद्धव–राज ठाकरे साथ आए

आज का इतिहास

1709 रूस और स्वीडन के बीच शुरू हुए संघर्ष में रूस को विजय मिली. 1858 अंग्रेजों द्वारा ग्वालियर किले पर कब्जे के बाद लार्ड कैनिंग ने आजादी की लड़ाई समाप्त हो जाने की घोषणा की. 1895 दक्षिणी अफ्रीका में डेलागोवा रेलवे लाइन के खुलने से ट्रांसवाल को समुद्र तक पहुंचने का मार्ग मिल गया. 1918 भारतीय संविधान में सुधार के लिए मांटिगू चेम्सफोर्ड रपट प्रकाशित हुई. 1920 ब्रिटेन ने केन्या को अपना उपनिवेश बनाया. 1940 द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी हमले के दौरान नार्वे सरकार ने अपना कामकाज लंदन से शुरू किया. 1950 अमरीकी जनरल डगलस मैकआर्थर कोरिया में राष्ट्रसंघ सेना के प्रमुख बनाए गए. 1954 भाखड़ा नांगल नहर का उद्घाटन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.01 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	सिंह	08.17 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.29 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.55 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.11 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.16 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.35 बजे से
राहुकाल		मेष	00.06 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.46 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.44 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 189 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 03.15 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 22.17 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.58 बजे तदनन्तर तैतिल 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872399 **जूलियन दिन** 2460864.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, जयापार्वती व्रत प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पर्यावरण प्रेमी नीली चिड़िया है वर्डिटर फ्लाईकैचर

पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।

ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की और रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

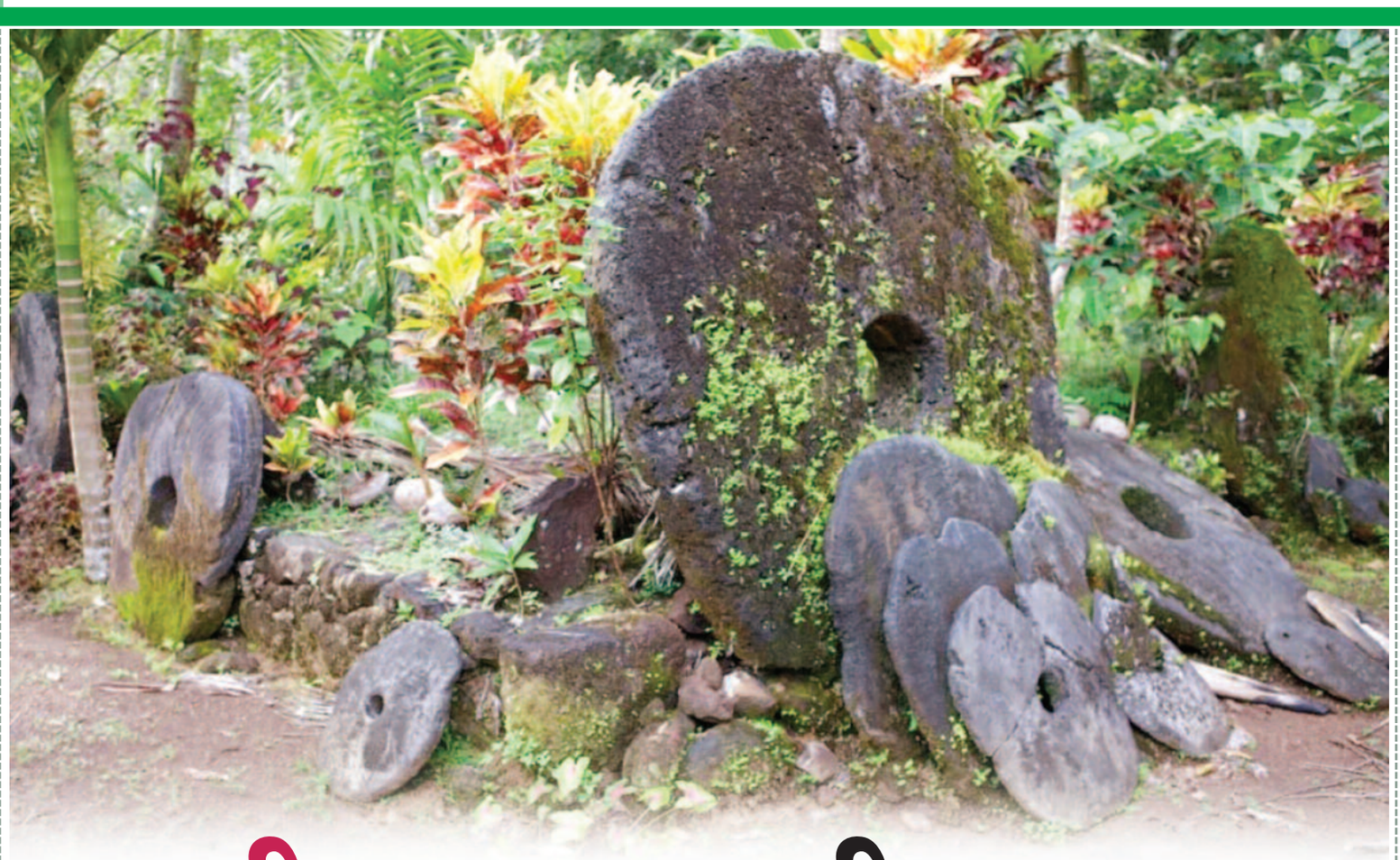

यप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है यप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से यप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी यप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप यप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो यप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

यप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले यप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर इन्हें नावों में लाद कर यहां यप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है।

पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले यप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब यप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें यप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद शुरुआत में पत्थरों की कीमत सीपियों की संख्या से तय होती थी क्योंकि पत्थरों से पहले सीपी को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जैसे एक पत्थर के बदले पचास सीपी दी जाती थीं। आज फुटकर करेंसी के तौर पर यप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की यप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती है।

आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पाई जाती हैं सबसे ज्यादा जहरीली मकड़ियां

हमारी पृथ्वी पर ऐसे कई जीव पाए जाते हैं, जिनमें पाए जाने वाला जहर इंसानों को पलभर में मौत की नींद सुला सकता है. इन जीवों के बारे में सोचते ही आपके दिमाग में सांप या बिच्छू का ख्याल आया होगा, लेकिन आज हम आपको दुनिया की बेहद ही खतरनाक मकड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं. जिनके काटे जाने के बाद मौत को टालना मुश्किल हो जाती है.

इस मकड़ी का नाम फनेल वेब स्पाइडर है। यह दुनिया की खतरनाक मकड़ियों में शामिल है। अगर ये किसी को काट ले तो उसकी 15 मिनट में मौत हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया में इसके काटने से कई लोगों की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों का कहना इस मकड़ी के जहर की काट के लिए कोई असरदार दवा भी नहीं है। इस मकड़ी के काटते ही व्यक्ति का उसकी मांसपेशियों पर नियंत्रण खत्म हो जाता है और व्यक्ति की मौत पलभर में हो जाती है।

सिडनी फनल वेब - ये दुनिया की दूसरी सबसे खतरनाक मकड़ी है. इसका नाम दुनिया की सबसे घातक मकड़ियों में शुमार किया जाता है. इसके शरीर का आकार एक फनल की तरह होता है, जिस कारण इसे सिडनी फनल कहा जाता है. ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली यह मकड़ियां आग लग जाने की वजह से जमीन के अंदर छिप गई थीं। लेकिन तेज बारिश के बाद बाढ़ आई तो ये बाहर आ गईं। इसके बाद ये मकड़ियां आबादी वाले इलाकों में पहुंच गईं और कई शहरों में अपना ठिकाना बना लिया। अगर यह मकड़ी किसी को काट लेती है, तो उसके शरीर पर लाल रंग का निशान बन जाता है और चकत्ते पड़ जाते हैं। उसको तेज दर्द होता है और लगातार उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा इसान का ब्लड प्रेशर भी काफी बढ़ जाता है। मकड़ी के काटने के बाद व्यक्ति भयानक दर्द से छटपटाने लगता है और 15 मिनट के अंदर उसकी मौत हो जाती है। बताया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सबसे ज्यादा जहरीली मकड़िया पाई जाती हैं। वैज्ञानिक इस मकड़ी के जहर को निष्प्रभावी बनाने की दवा बनाने में जुटे हैं और उनको जल्द ही इसमें कामयाबी मिल सकती है। इसके अलावा भी दुनिया में कई जहरीली मकड़ियां पाई जाती हैं जिनके काटने से किसी की भी मौत हो सकती है।

दुनिया के अजीबों गरीब टैक्स

इस दुनिया में आए हैं, तो टैक्स तो देना पड़ेगा. चाय, बिस्कुट या हो कोई महंगी चीज़ आप हर चीज़ के लिए टैक्स देते हैं. अगर सैलरी अधिक है तो उनको तो देना ही देना है.

हम सब जानते हैं कि इनके लिए टैक्स देना पड़ता है. लेकिन कुछ-कुछ टैक्स का मतलब समझ पाना मानो असंभव सा लगता है. दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें है, जहां सरकार बेफ़िज़ूल की चीज़ों पर टैक्स लगा कर लोगों से पैसे ले रही है सरकारें. ख़ास बात ये है कि इन टैक्स के नाम पढ़कर शायद आप मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ. चलिए इसी क्रम में दुनिया के कोने-कोने से अजीबों गरीब टैक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो अगर नहीं होते, टैक्स जैसी चीज़ मज़ेदार नहीं लगती. नज़र डालते हैं इन अजीबो गरीब टैक्स की लिस्ट पर

टैटू टैक्स

क्या आपने कभी सुना है की टैटू बनवाने के लिए भी टैक्स देना ज़रूरी होता है? लोग टैटू अपने शरीर पर कुछ यादों को छपवाने के लिए बनवाते हैं. लेकिन इसके लिए भी उन्हें एक कीमत चुकानी पड़ती है. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अर्कांसस 2002 से विभिन्न टैटू स्टूडियो से सेल्स टैक्स लेता है.

बैचलर टैक्स

क्या मतलब कोई अपनी मर्ज़ी से अकेले भी नहीं रह सकता है क्या? ये टैक्स संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसौरी में लिया जाता है. यहां 21 साल से 50 साल के बैचलर पुरुषों से 1 डॉलर टैक्स लिया जाता है.

कद्दू टैक्स

कद्दू सुनते ही दिमाग में हैलोवीन का त्योहार आ जाता है. जहां लोग खूब सजते और संवरते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में कद्दू एक कर-मुक्त खाना है, लेकिन अगर इसे पेंट, वार्निश या काटकर और सजावट के रूप में बेचा जाता है, तो इसपर सेल्स टैक्स लगता है.

खिड़की टैक्स

इस टैक्स को प्रॉपर्टी टैक्स भी कहा जाता है. इस टैक्स को लगाने का एक ही उद्देश्य था. इस टैक्स में लोगों के घरों में कितनी खिड़कियां हैं, उसपर लगता था. ताकि अमीर और गरीब का पता लगाया जा सके. लेकिन बाद में इन देशों द्वारा इस तरह के करधन के ख़िलाफ़ बहुत से आंदोलन के कारण इसे ख़त्म कर दिया गया था.

टॉयलेट फ्लश टैक्स

पानी के ख़र्च पर नज़र रखने के लिए ये टैक्स मैरीलैंड में लगाया था. जहां 5 डॉलर प्रति माह का टैक्स लगता है. जो बाद में मैरीलैंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम में जाता है.

ब्लूबेरी टैक्स

ब्लूबेरी टैक्स फलों की अधिक कटाई को रोकने के लिए लगाया जाता है. जो बदले में वनस्पति को पनपने में मदद करता है. यूनाइटेड स्टेट्स के मेन में काफ़ी ज़्यादा है. इसीलिए मेन में, ब्लूबेरी के उत्पादन पर प्रति पाउंड डेढ़ पैसा टैक्स लगाया जाता है.

प्लेइंग कार्ड टैक्स

एक कारण है कि अलबामा अपने कैसीनो के लिए क्यों नहीं जाना जाता है और इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स है. अलबामा संघ का एकमात्र राज्य है जिसने राज्य के भीतर ख़रीदे गए कार्डों के डेक के लिए 10% प्लेइंग कार्ड टैक्स चार्ज करता है.

कैंडी टैक्स

कोई टॉफ़ी और कैंडी पर कैसे टैक्स लगा सकता है? लेकिन Chicago में ऐसा होता है. कैंडी अगर मैदा या आटा से बनी हो, तो उसपर साधारण टैक्स लगता है. वहीं अगर कैंडी बिना मैदा के बनती है, तो उसपर 5.25% का टैक्स लगाया जाता है.

फैट टैक्स

भारत के केरल राज्य में 14.5% का टैक्स लिया जाता है. ताकि लोग कम मात्रा में जंक खाना खाएं और अपने स्वास्थ्य के ऊपर ध्यान दें.

एंटरटेनमेंट टैक्स

फैट टैक्स ही नहीं, बल्कि भारत में एंटरटेनमेंट टैक्स भी लिया जाता है. हां, एक स्पेशल तरह का टैक्स है, जो स्पोर्ट्स इवेंट, मूवीज़ और थिएटर शो पर लगता है जो हर एक राज्य में अलग-अलग होता है.

आरबीआई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, 17 म्यूचुअल फंड कंपनियों की डेट स्कीमों में दिखा तनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। तेजी से बढ़ रहे म्यूचुअल फंड में सब ठीक नहीं है। आरबीआई की रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल में 17 म्यूचुअल फंड कंपनियों की 43 डेट स्कीमों में एम्फी की तय सीमा से ज्यादा तनाव देखा गया है। इनका प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.25 लाख करोड़ से ज्यादा है। हालांकि, इस तनाव का मतलब यह नहीं है कि निवेशकों के ये पैसे डूब जाएंगे या कोई खतरा है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) हर माह तरलता से लेकर निवेश और कईपैमाने पर फंड हाउसों की ओपन एंडेड डेट योजनाओं के तनाव का परीक्षण करता है।

आरबीआई की रिपोर्ट में इसी परीक्षण का हवाला दिया गया है।रिपोर्ट के अनुसार, 31 फंड हाउसों की 269 स्कीमों में तय सीमा से कम तनाव रहा। इस तरह, कुल 48 स्कीमों की 312 योजनाओं का परीक्षण किया गया, जिनका एयूएम 16.84 लाख करोड़ रुपये था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनिवार्य किया है कि परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को हर माह ओपन एंडेड डेट योजनाओं का तनाव परीक्षण करना चाहिए ताकि इनसे संबंधित विभिन्न जोखिम मापदंडों (ब्याज दर, क्रेडिट और तरलता जोखिम) के उनके शुद्ध परिसंपत्ति मूल्यों पर प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सके। ऐसे तनाव जब सीमा से ऊपर होते हैं, तो इसमें सुधार के लिए संबंधित फंड मैनेजर को एक महीने का समय दिया जाता है।

क्रायोजेनिक ओजीएस आईपीओ : 695 गुना सब्सक्रिप्शन, 47 प्रतिशत प्रीमियम की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। जब से क्रायोजेनिक ओजीएस का आईपीओ 3 जुलाई को खुला, निवेशकों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहले ही दिन इसे 25 गुना सब्सक्रिप्शन मिल गया, लेकिन आखिरी दिन तक जो हुआ वह हैरान करने वाला था। छोटे निवेशकों (रिटेल) ने इसे 774 गुना, बड़े निवेशकों (एनआईआई) ने 1,155 गुना और संस्थाओं (क्यूआईबी) ने 210 गुना भर दिया! यानी कुल मिलाकर यह आईपीओ 695 गुना सब्स्क्राइब हुआ, जो एसएमई सेगमेंट में एक रिकॉर्ड है।

क्यों है इतना क्रेज : इसका राज ग्रे मार्केट में छिपा है। आज भी इसके शेयरों की अंडरग्राउंड कीमत (जीएमपी) 22 प्रति शेयर है। यानी अगर आईपीओ की ऊपरी कीमत 47 मानें, तो लिस्टिंग 69 (47 प्रतिशत प्रीमियम) पर होने की उम्मीद है। ऐसे में जिन्हें अलॉटमेंट मिल गया, वे मानो लॉटरी लग गई समझ रहे हैं।

कंपनी की योजना : क्रायोजेनिक ऑयल-गैस, पेट्रोकेमिकल्स जैसे क्षेत्रों के लिए हाई-टेक फिल्ट्रेशन सिस्टम बनाती है। आईपीओ से जुटाए 17.77 करोड़ का इस्तेमाल वह अपने वर्किंग कैपिटल को बढ़ाने और नई परियोजनाओं में करेगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें कोई ओएफएस (मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री) नहीं है—पूरा पैसा सीधे कंपनी को जाएगा।

ओरियाना पावर कंपनी को एनटीपीसीकी सहायक कंपनी से मिला 465 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरियाना पावर के शेयरों में आज 5 प्रतिशत की उछाल देखी गई। यह उछाल तब दर्ज की गई, जब कंपनी ने एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनवीवीएन से 465.15 करोड़ रुपये के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रोजेक्ट का ठेका हासिल करने की घोषणा की। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के गिरल सब-स्टेशन पर 125 एमडब्लू/250 एमडब्लूएच क्षमता का स्टैंडअलोन बैटरी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए है, जिसे बिल्ड-ओन-ऑपरेट मॉडल पर कार्यान्वित किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट ग्रिड स्थिरता को बेहतर बनाएगा और ब्लैकआउट के जोखिम को कम करेगा। 465 करोड़ रुपये के इस अनुबंध की अवधि 12 वर्ष निर्धारित की गई है।

ऑटो इंडस्ट्री के बाद अब हमारी बागवानी फसलों को मार रहा है चीन

भारत में बचा है दो महीने का स्टॉक

गुजरात में डब्ल्यूएसएफबनाने वाले ललितकुमार पेरीवाल ने कहा कि देश में सिर्फ दो महीने का स्टॉक बचा है। उन्होंने बताया चीन ने 2023 में भी रोक लगाई थी, लेकिन 2024 में हटा ली थी। तब हमने रिकॉर्ड मात्रा में आयात किया था, जिससे हमें 2025 में मदद मिली। लेकिन अब फिर से रोक लगा दी है। उन्होंने तुरंत नीति में बदलाव करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि डब्लूएसएफ को आवश्यक वस्तु अधिनियम से हटा देना चाहिए, ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पादन हो सके।

बागवानी फसलों का बढ़ा है महत्व

भारत का बागवानी सेक्टर कृषि विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह सेक्टर अब 13 प्रतिशत से ज्यादा जमीन पर फैला हुआ है। यह देश की कृषि जीडीपी में लगभग एक तिहाई योगदान देता है। इसके अलावा, इसने देश के अनाज उत्पादन को भी पीछे छोड़ दिया है। किसान पारंपरिक तरीके की खेती छोड़ कर पॉली हाउस में खेती कर रहे हैं और एक्जोटिक फल एवं सब्जियां उगा रहे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने पहले भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को झटका दिया था। उन्होंने रेअर अर्थ से बने चुंबकों के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अब चीन ने एक और कदम उठाया है। उन्होंने पानी में घुलने वाले उर्वरकों के निर्यात पर रोक लगा दी है। ये उर्वरक भारत के बागवानी सेक्टर में इस्तेमाल होते हैं।

क्या होता है डब्ल्यूएसएफ

डब्ल्यूएसएफ एक तरह की खाद है। ये खाद पौधों में आसानी से घुल जाती है। इसे ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर या पत्तियों पर स्प्रे करके इस्तेमाल किया जाता है। इससे खाद सीधे पौधों की पत्तियों या जड़ों तक पहुंचती है, मिट्टी के ज़रिये नहीं। यह कारगर तरीका है, खास कर बागवानी फसलों के लिए।

चीन के रोक का क्या होगा असर

न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस रोक से भारत के बागवानी उद्योग को नुकसान हो सकता है। यह उद्योग भारत के अनाज के कारोबार से भी बड़ा है। यह देश की कृषि में लगभग एक तिहाई का योगदान देता है। इससे अंगूर, अनार, केला और पॉलीहाउस खेती पर असर पड़ेगा। पॉलीहाउस में विदेशी फल और सब्जियां उगाई जाती हैं, जिन्हें बाहर भेजा जाता है। आधुनिक ढंग से खेती करने वाले किसान गेहूं जैसी फसलों पर भी पत्तियों पर स्प्रे करके खाद डालते हैं, ताकि उन्हें त्वरित पोषण मिल सके।

क्या कर रहा है चीन

पिछले दो महीनों में चीन ने चीन निरीक्षण संगरोध का इस्तेमाल किया है। यह एक तरह की जांच में देरी करने की रणनीति है। इससे मोनो अमोनियम फॉस्फेट, कैल्शियम नाइट्रेट और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे जरूरी सामानों की सप्लाई कम हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत विशेष तरह के खाद चीन से खरीदता है। यह खरीदारी सबसे ज्यादा बुवाई के समय में होती है। लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इन दिनों आयात बहुत कम हो गया है, जबकि इस समय खरीफ की बुवाई चल रही है। उदाहरण के लिए, मानचित्रका आयात 2023 में 12,525 टन था और 2024 में 21,214 टन था। लेकिन 1 जून तक यह घटकर 2,842 टन हो गया। इसी तरह, सीएन का आयात 2023 में 223,941 टन था, जो जून 2025 तक घटकर 49,311 टन हो गया। पीएन का आयात 2024 में 27,913 टन था, जो घटकर 16,837 टन हो गया।

भारत की नाकाबंदी कर दी

सॉल्यूबल फर्टिलाइजर इंडस्ट्री एसोसिएशन के सचिव विनोद गोयल ने कहा, चीन ने ष्टढ्ढक्त के जरिए एक तरह की नाकाबंदी कर दी है। उन्होंने भारत को आधिकारिक तौर पर बैन कर दिया है, जबकि दूसरे देशों को सप्लाई जारी रखी है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से ज्यादा ऐसी खाद चीन से खरीदता है। भारत को हर साल लगभग 4 लाख टन स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर की जरूरत होती है। यहां, सवाल उठता है कि चीन से ही आयात क्यों तो इसका जवाब है कि उससे फर्टिलाइजर इसलिए खरीदा जाता है क्योंकि वहां अच्छी क्वालिटी का सामान मिलता है और कीमतें भी कम होती हैं। इसे खाड़ी देशों और रूस से भी खरीदा जा सकता है, लेकिन वहां के मुकाबले चीन से सामान खरीदना सस्ता पड़ता है।

सोने की कीमत में लगातार गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोने की कीमत लगातार गिर रही है। अगस्त वायदा अनुबंधों में हाल ही में आई तेजी अब कम हो गई है। 16 जून को सोना 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम के शिखर पर था, लेकिन अब यह करीब 4000 रुपये तक गिर गया है। यानी इन 22 दिनों में इसमें करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर ज्वेलरी से जुड़ी कंपनियों के शेयर में भी गिरावट आई है।

मंगलवार को सोने की कीमत 98 रुपये की गिरावट के साथ 97,172 रुपये पर खुली। इसके बाद भी इसमें गिरावट आती गई। सुबह 10:30 बजे सोने की कीमत 97,049 रुपये थी। सोने की कीमत में गिरावट का कारण दुनिया भर में चल रहे व्यापारिक तनाव और संभावित नीतिगत बदलावों को माना जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ ने डराया!: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से कहा कि 1 अगस्त से उन देशों पर उच्च शुल्क लगेगा जिनके साथ कोई समझौता नहीं है। लेकिन ट्रेजरी सचिव बेसेंट ने कहा कि देशों को बातचीत के लिए तीन और सप्ताह मिल सकते हैं। इससे व्यापार जोखिम कम हो गया है और सोने की सुरक्षित ठिकाने के रूप में मांग भी कम हो गई है।

मेहता इक्विटीज के वीपी कमोडिटीज राहुल कलंत्री के मुताबिक अमेरिका में नौकरियों के अच्छे आंकड़ों ने जुलाई में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम कर दी है। यानी अमेरिका में नौकरियां बढ़ रही हैं। इसलिए अब इस बात की उम्मीद कम है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा।

मोबाइल पर बात करना और इंटरनेट चलाना होगा महंगा, कंपनियां 12 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल पर बात करना या इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा होने वाला है। साल के आखिर तक कंपनियां मोबाइल के बिल में करीब 10 से 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसका असर खासकर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो मीडियम या महंगे प्लान लेते हैं।

इंडस्ट्री के अधिकारियों और एनालिस्ट्स का कहना है कि मई में एक्टिव सब्सक्राइबर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार पांचवां महीना है जब नए यूजर जुड़े हैं। इससे टेलीकॉम कंपनियों की टैरिफ बढ़ाने की चाहत बढ़ गई है। हालांकि, उन्होंने सावधान किया है कि जब पिछली बार जुलाई 2024 में दाम बढ़े थे, तब बेस प्लान 11 से 23 फीसदी महंगे हुए थे। ऐसे में अगर और बढ़ोतरी होती है, तो ग्राहक छोड़कर जा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि टैरिफ बढ़ोतरी में प्लान में मिलने वाला डेटा कम किया जा सकता है, जिससे लोग ज्यादा डेटा पैक खरीदें।

कितने बढ़े यूजर्स: मई में एक्टिव यूजर्स में 29 महीने का रेकॉर्ड उछाल आया। इस दौरान 74 लाख नए एक्टिव यूजर जुड़े। इससे कुल संख्या करीब 108 करोड़ हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जुलाई 2024 में टेलीकॉम कंपनियों ने बेस प्लान 11 से 23 फीसदी बढ़ाए थे। इससे जुलाई से नवंबर के बीच 2.1 करोड़ यूजर्स कम हो गए थे, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है।

मार्केट लीडर रिलायंस जियो इंफोकॉम ने मई में 55 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। इससे कंपनी के एक्टिव यूजर बेस में 150 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी हुई है और यह 53 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारती एयरटेल ने 13 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। अब कंपनी के पास 36 प्रतिशत एक्टिव सब्सक्राइबर्स हैं।

क्या कहना है एक्सपर्ट का: एनालिस्ट्स का कहना है कि बेस प्लान की कीमतें तेजी से बढ़ने की वजह से कम पैसा खर्च करने वाले ग्राहक पहले से ही काफी दबाव में हैं। एक टेलीकॉम इंडस्ट्री एनालिस्ट ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि ऐसी संभावना है कि टैरिफ 10-12 फीसदी तक बढ़ें। लेकिन आगे की बढ़ोतरी सभी तरह के ग्राहकों के लिए एक जैसी होने की उम्मीद कम है। खासकर मीडियम और महंगे प्लान लेने वाले ग्राहकों के लिए दाम बढ़ाना ज्यादा सही होगा।

अब तक पांच सरकारी बैंकों ने हटाया न्यूनतम जमा पर शुल्क, आगे और भी बैंक कर सकते हैं घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंकों ने अब खाते में मासिक आधार पर औसत न्यूनतम जमा न होने पर वसूले जाने वाले जुर्माना को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 2023-24 में इन बैंकों ने ग्राहकों से 2,331 करोड़ की कमाई इसी मद से की थी। अभी तक पांच सरकारी बैंकों ने खाते में न्यूनतम जमा न होने पर किसी भी शुल्क को नहीं लगाने का फैसला किया है। इस वजह से आने वाले समय में बाकी सरकारी बैंक भी इसका पालन कर सकते हैं। हालांकि, यह नियम केवल बचत खाते पर है जहां बैंक 2.50 फीसदी से लेकर 6 फीसदी या उससे भी ज्यादा ब्याज देते हैं। हाल में आरबीआई ने रेपो दर में एक फीसदी की कमी की है, इससे बैंकों के पास जमा नहीं आ रहा है। इस वजह से बैंकों को आगे नकदी के मामले में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। अब तक जिन पांच बैंकों ने न्यूनतम जमा शुल्क खत्म किया है, उनमें पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, केनरा बैंक और एसबीआई है।

2022-23 में वसूले थे 1855 करोड़ : सरकारी बैंकों ने 2022-23 में न्यूनतम जमा नहीं होने पर ग्राहकों से 1,855 करोड़ रुपये की वसूली की थी। हालांकि, 2023-24 में यह करीब 26 फीसदी बढ़ गई। तीन वर्षों में इन बैंकों ने कुल 5,614 करोड़ रुपये की वसूली की थी। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंकों को खाता खोलते समय ग्राहकों को न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता के बारे में सूचित करना आवश्यक है। इसके बाद होने वाले बदलाव के बारे में भी खाताधारकों को सूचित किया जाना चाहिए।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन का शेयर हुआ धड़ाम, 3500 रुपये से नीचे आया दाम

TITAN COMPANY TATA

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर मंगलवार को धड़ाम हो गए हैं। टाइटन कंपनी के शेयर मंगलवार को क्क्स्श्व में 5 पर्सेंट से अधिक टूटकर 3457.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज गिरावट पहली तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आई है। टाइटन ने अपने बिजनेस अपडेट में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अपने कंज्यूमर बिजनेस में सालाना आधार पर 20 पर्सेंट की ग्रोथ की बात कही है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी पर रेखा झुनझुनवाला का बड़ा दांव है। टाइटन के शेयरों में तेज गिरावट के बाद भी ब्रोकरेज हाउस कंपनी के शेयरों पर पॉजिटिव बने हुए हैं।

टाइटन के शेयरों में आ सकता है 17 प्रतिशत तक उछाल: ब्रोकरेज हाउसेज का कहना है कि टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 17 पर्सेंट तक का उछाल आ सकता है। ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने टाइटन के शेयरों को आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 4326 रुपये का टारगेट दिया है। वहीं, मॉर्गन स्टैनली ने टाइटन के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग के साथ 3876 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज फर्म सिटी ने टाइटन के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी है और 3800 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

घरेलू ज्वैलरी बिजनेस में 18 प्रतिशत की ग्रोथः पहली तिमाही में टाइटन का घरेलू ज्वैलरी बिजनेस सालाना आधार पर 18 पर्सेंट बढ़ा है। हालांकि, इस तिमाही के दौरान सोने की अस्थिर कीमतों ने कंज्यूमर सेंटीमेंट पर असर डाला। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 10 नए स्टोर्स खोले और इसका रिटेल नेटवर्क बढ़कर 3,322 आउटलेट्स का हो गया। घड़ियों के घरेलू बिजनेस में सालाना आधार पर 23 पर्सेंट की मजबूत ग्रोथ देखने को मिली।

सीडीएसएल और एनएसडीएल ने नए एप लॉन्च किए, ई-वोटिंग करना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज(सीडीएसएल) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (एनएसडीएल)ने निवेशकों को लिए अपने निवेशक एप में नई सुविधाएं पेश की है, इससे शेयरधारक कंपनी मामलों पर मतदानत करते समय उनके द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को आसान बनाएगा। यह एप निवेशकों को सीडीएसएल के मायईसी एप और एनएसडीएल के स्पीड ईएप पर उपलब्ध है। यह प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की सिफारिशों और सलाहों को सीधे ई-वोटिंग प्लेटफॉर्म में एकीकृत करता है। यह सुविधा 7 जुलाई 2025 से शुरू की गई है।

निवेशकों को इससे मुख्य सुविधा यह होगी कि वे अब कॉरपोरेट प्रस्तावों पर विशेषज्ञों की सलाह देख सकते हैं। इसके लिए अब शेयरधारकों को अलग-अलग वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

इससे उनकों अपने वोट डालने मदद भी मिलेगी। यह एप्स सेबी की निगरानी में है। इससे पहले इस तरह की सुविधा प्रमुख रूप से संस्थागत निवेशकों के लिए ही उपलब्ध थी। जबकि रिटेल निवेशकों को मतदान से पहले सलाह और सिफारिशों के लिए अनेक प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की वेबसाइट पर जाना पड़ता था। इससे एप के जरिए सभी छोटे बड़े शेयरधारक विशेषज्ञ द्वारा दी गई सलाह को देख सकेंगे और उचित निर्णय ले सकेंगे।

इस अवसर पर छोटे बड़े सभी निवेशकों को कैपिटल मार्केट के बारे में जानकारी देने के लिए माइक्रो साइट को भी शुरू किया गया। यह वेबसाइट 7 क्षेत्रिय भाषाओं में उपलब्ध है, जहां कैपिटल मार्केट, निवेश के बारे में पूरी जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य देश में बढ़ती युवा निवेशकों और महिलाओं को बाजार के सही जानकारी और उनके निवेश को अधिक आसान बनाना है।

इस पहल में स्टेकहोल्डर्स एम्पावरमेंट सर्विसेज, इंस्टीट्यूशन इंवेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) और इन गवर्न रिसर्च तीन फर्म की हिस्सेदारी है। यह फर्म कंपनी प्रबंधन द्वारा पेश किए गए प्रस्तावों को पेशवर मूल्यांकन की सुविधा देती है।

नौकरी छोड़ी और बढ़ा दिए कदम... दो दोस्तों ने खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि क्षेत्र में अच्छी पकड़ रखने वाले दो दोस्तों ने जबदस्त सफलता हासिल की है। इनके नाम हैं- शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता। दोनों ने मिलकर नवंबर 2020 में पोष्ण नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया। इसका मकसद कृषि उत्पादों के व्यापार को आसान बनाना था। तीन साल में इस प्लेटफॉर्म ने करोड़ों का टर्नओवर हासिल कर लिया। शशांक और भुवनेश ने अपनी अच्छी कॉर्पोरेट नौकरियों को छोड़कर यह काम शुरू किया। पोष्ण किसानों के लिए बिक्री प्रक्रिया को आसान बनाता है। यह प्लेटफॉर्म बिना किसी गोदाम के काम करता है। इससे लागत घटती है। किसानों और व्यापारियों दोनों को बेहतर मूल्य मिलता है। आइए, यहां शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

समस्या की जड़ को पहचाना : शशांक सिंह और भुवनेश गुप्ता कृषि पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने किसानों की जमीनी समस्याओं को करीब से देखा था। शशांक उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से हैं। वहीं, भुवनेश पंजाब के जालंधर से आते हैं। दोनों ने महसूस किया कि किसानों को अक्सर बिचौलियों की वजह से फसल बेचने में दिक्कतें आती हैं। इससे देरी होती है, लागत बढ़ती है और भुगतान में भी जोखिम रहता है। पोष्ण इसी समस्या का सीधा समाधान है। यह बी2बी प्लेटफॉर्म है जो प्रोसेसर (जो फसल को बाजार में बेचने लायक बनाते हैं, जैसे गेहूं से आटा) और थोक विक्रेताओं को सीधे किसानों से जोड़ता है। इस सीधे संपर्क से बिचौलियों की जरूरत खत्म हो जाती है। लागत कम होती है। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलता है। वहीं खरीदारों को भी अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद किफायती दामों पर मिलते हैं।

बिना गोदाम वाला अनूठा मॉडल अपनाया

पोष्ण का बिजनेस मॉडल अपनी बिना गोदाम वाली नीति के कारण खास है। शशांक और भुवनेश स्टॉक नहीं रखते, बल्कि ऑर्डर के आधार पर सामान खरीदते और फिर डिलीवरी करते हैं। यह रणनीति न केवल परिचालन लागत को कम करती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि किसानों और व्यापारियों दोनों को बेहतर मूल्य मिलें। पोष्ण मुख्य रूप से किराने का सामान (जैसे चावल, आटा, खाद्य तेल) और तरल उत्पादों (जैसे दूध) के थोक व्यापार पर केंद्रित है। खरीदार और विक्रेता स्मार्टफोन ऐप के जरिये ऑर्डर देते और प्राप्त करते हैं। पोष्ण प्लेटफॉर्म लॉजिस्टिक्स से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया को संभालता है। इसे ऐप पर ट्रैक किया जा सकता है।

दोनों को कॉर्पोरेट सेक्टर का अनुभव

शशांक सिंह उत्तर प्रदेश के उन्नाव के एक कृषि परिवार से आते हैं, जहां उन्होंने बचपन से ही खेती की चुनौतियों को देखा। बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी से इंजीनियरिंग और आइआइएम कलकत्ता से एमबीए करने के बाद उन्होंने विप्रो, ब्लैकबक और उबर जैसी कंपनियों में काम किया। वहीं, पंजाब के जालंधर से आने वाले भुवनेश गुप्ता ने भी बैंकिंग और ई-कॉमर्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त किया, जिसमें ओयो रूम्स और भारतपे जैसी कंपनियों के साथ काम करना शामिल है। शशांक और भुवनेश 2019 में मिले और कृषि के प्रति उनकी समान रुचि ने उन्हें एक साथ पोष्ण शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

विश्व मुक्केबाजी ने बीएफआई की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ाया

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी प्रशासन में पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों से प्रभावित होकर विश्व मुक्केबाजी ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अजय सिंह की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति को इस साल अप्रैल में भारत में मुक्केबाजी के दिन-प्रतिदिन के मामलों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया गया था।नियुक्ति के बाद से समिति ने अपने शुरुआती 90 दिवसीय कार्यकाल के दौरान 'खिलाड़ी पहले' दृष्टिकोण को अपनाते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप और उसके बाद सभी आयु समूहों (अंडर-15, अंडर-17 और एलीट) में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं। सोमवार को अजय सिंह को लिखे पत्र में विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने अंतरिम समिति को उनके 'खिलाड़ी पहले' दृष्टिकोण के लिए बधाई दी जिसने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय मुक्केबाजों की निरंतर भागीदारी के साथ पदक सुनिश्चित किए।वान डेर वोर्स्ट ने अपने पत्र में लिखा, हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि अंतरिम समिति प्रभावी ढंग से काम कर रही है और राष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशासन के भीतर पारदर्शिता और स्थिरता बहाल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा, विश्व मुक्केबाजी भारतीय मुक्केबाजी में विकास पर बारीकी से नजर रखती है और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की निरंतर भागीदारी और पदक के रूप में उनकी लगातार सफलता से उत्साहित है। ये उपलब्धियां आपके नेतृत्व में किए जा रहे ढांचागत और सकारात्मक प्रयासों का प्रतिबिंब हैं।वान डेर वोर्स्ट ने कहा, आगामी घरेलू और महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं को देखते हुए अंतरिम समिति से अनुरोध है कि वह सभी स्तरों पर भारतीय खिलाड़ियों की निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बीएफआई के मामलों का प्रबंधन जारी रखे। भारतीय मुक्केबाजों ने कजाकिस्तान के अस्ताना में रविवार को संपन्न हुए विश्व मुक्केबाजी कप में तीन स्वर्ण और पांच रजत सहित कुल 11 पदक जीते।

कोहली के भतीजे और सहवाग के बेटे बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में दो हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग का जलवा देखने को मिल सकता है। इन दोनों को रविवार को हुई नीलामी के दौरान अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों ने खरीदा। उभरते हुए लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं जिन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शुमार लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी (38 लाख रुपये) भी शामिल हैं। इस लीग के शुरुआती सत्र में किसी टीम से बोली हासिल करने में नाकाम रहे अंडर-19 बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा। आर्यवीर के पिता वीरेंद्र सहवाग इस टूर्नामेंट के ब्रांड एमबेस्डर भी हैं। सहवाग ने कहा, 'मैं वास्तव में इस सत्र का इंतजार कर रहा हूं। यह खिलाड़ियों के लिए एक बड़े मंच पर खुद को साबित करने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों की नजर भी इस लीग पर है। यह लीग खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका देती है। हमने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट देखा और मुझे यकीन है कि यह सत्र और भी रोमांचक होगा। लीग की नीलामी की सूची में 520 खिलाड़ी शामिल थे जिसमें से सिमरजीत सिंह (39 लाख रुपए में सेंट्रल दिल्ली किंग्स) सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। नितीश राणा (34 लाख रुपए में वेस्ट दिल्ली लायंस) और प्रिंस यादव (33 लाख रुपये में न्यू दिल्ली टाइगर्स) के लिए टीमों को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ी।

लारा का 400 रन का रिकॉर्ड बचा, द. अफ्रीकी बल्लेबाज ने सम्मान में पहले घोषित की पारी

बुलावायो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर ने कहा कि उन्होंने ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के रिकॉर्ड के करीब होने के बावजूद पारी घोषित करने का फैसला किया क्योंकि उनका मानना है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज 'रिकॉर्ड बनाए रखने के हकदार हैं।

मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन नाबाद 367 रन की पारी खेली लेकिन टीम की पारी को 626 रन पर घोषित कर दिया जबकि वह लारा के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 34 रन पीछे थे। मुल्डर ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'सबसे पहले मुझे लगा कि हमारे पास पर्याप्त रन हैं और हमें गेंदबाजी करने की जरूरत है। दूसरा, ब्रायन लारा एक दिग्गज हैं। उनके कद का व्यक्ति यह रिकॉर्ड बनाए रखने का हकदार है।

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे दोबारा ऐसा करने का मौका मिला तो मैं बिल्कुल ऐसा की करूंगा। मैंने शुक्स (शुकरी कॉनराड) से बात की और उन्हें भी ऐसा ही लगा। ब्रायन लारा एक महान खिलाड़ी हैं और वह इस रिकॉर्ड को बनाए रखने के हकदार हैं। लारा टेस्ट पारी में 400 रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह स्कोर 2004 में एंटीग में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था।

उपलब्धि: हिमाचल के अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में देश को दिलाया रजत

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के अविनाश जम्वाल ने विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। इससे पहले उन्होंने ब्राजील में भी इसी प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था। अब कजाकिस्तान के अस्ताना में भी ताकत का लोहा मनवाया। कजाकिस्तान के अस्ताना में 30 जून से 7 जुलाई तक विश्व मुक्केबाजी कप हुआ। विभिन्न मुकाबलों में अविनाश ने पूर्व ओलंपियन और मेजबान खिलाड़ियों को मात दी। फाइनल मुकाबले में अविनाश का सामना ब्राजील के यूरी फाल्काओ से हुआ।

दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल और ताकत का प्रदर्शन किया। मुकाबला रोमांचक मोड़ तक पहुंचा। आखिरकार 2-3 के करीबी बाउट में अविनाश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि इससे पहले अविनाश ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अजरबैजान के पूर्व ओलंपियन मलिक हसनओव को हराया। हिमाचल प्रदेश बॉक्सिंग संघ के महासचिव एसके शांडिल ने कहा कि लगातार दूसरी बार विश्व स्तर पर सिल्वर मेडल जीतकर यह साबित कर

दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में भारत की मजबूत उम्मीद बन चुके हैं।

मोनिका और शशि ने भी चमकाया नाम

अमेरिका में हुई वर्ल्ड पुलिस बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिमाचल की बेटियों ने भी देश के लिए सम्मान हासिल किया। शिमला के रामपुर की रहने वाली मोनिका ने अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। किन्नौर की शशि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा किया।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है।

बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।

पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के साथ नई शुरूआत करेंगे, 2025-26 सत्र से पहले टीम से जुड़े

मुंबई । भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गए। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी। शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गए हैं और वह आगामी घरेलू सत्र में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जोफ्रा आर्चर खिलाना ही होगा, यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है

लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले बोले एंडरसन

लंदन (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के आगामी तीसरे टेस्ट में अनुभवी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को खिलाना चाहिए, जो गुरुवार 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। आर्चर ने चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में बर्मिंघम में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल होने से पहले ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी स्तर पर लाल गेंद से वापसी की।

इंग्लैंड को एजबेस्टन में भारत के खिलाफ 336 रनों से हार का सामना करना पड़ा जिससे पांच मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई है। एंडरसन का मानना है कि आर्चर को गुरुवार को लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। एंडरसन ने आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, आप उनके ओवरों को बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं और उन्हें श्रृंखला में बाद में खिला सकते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो सकती है। मुझे लगता है कि वह खेलेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला; वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और थोड़ी गेंदबाजी भी की। मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण मैच है।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम आर्चर की वापसी की गारंटी देने से चूक गए, लेकिन उन्होंने कहा कि दाएं हाथ का यह लंबा गेंदबाज फिट है और चयन के लिए उपलब्ध है। उन्होंने

कहा, %जोफ्रा फिट दिख रहे हैं, वे मजबूत दिख रहे हैं, वे खेलने के लिए तैयार दिख रहे हैं और वे सभी की नजर में आएंगे। यह बेहद रोमांचक है। वे भी उत्साहित हैं। वे अपनी चोटों और टेस्ट क्रिकेट से बाहर रहने के दौर से गुजरे हैं। हम सभी जानते हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे अपनी पुरानी उपलब्धियों को फिर से हासिल कर पाएंगे और खेल के उस रूप में जो उन्होंने पहले से किया है, उसमें सुधार भी कर पाएंगे।

आर्चर का संभावित समावेश ही एकमात्र बदलाव नहीं है जिस पर इंग्लैंड लॉर्ड्स टेस्ट के लिए अपने लाइन-अप पर विचार कर रहा है, साथी तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और बैक-अप बल्लेबाज जैकब बेथेल भी क्रिकेट के घर में होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले की दौड़ में हैं। बेथेल ने अपने नाम केवल तीन टेस्ट मैच किए हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच पिछले साल के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ था, जबकि एटकिंसन ने मई में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।

बेथेल के शामिल होने से इंग्लैंड को एक और मौका मिलेगा। एक और स्पिन विकल्प के साथ मैकुलम ने कहा कि वह पहली पसंद के स्पिनर शोएब बशीर की जगह द्वंद्व में नहीं लेंगे। मैकुलम ने बेथेल के बारे में कहा, वह एक बल्लेबाजी विकल्प है। अगर कुछ होता है तो वह अगला खिलाड़ी है। वह अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहता है ताकि वह स्पष्ट रूप से बल्ले और गेंद दोनों से खेल को प्रभावित कर सके। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम सामरिक दृष्टिकोण से करने पर विचार करेंगे।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

क्रिकेट के किंग का टेनिस के ग्लैडिएटर को सलाम, विंबलडन में जोकोविच का खेल देख हैरान रह गए कोहली

लंदन (यूके), एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और किंग के नाम से मशहूर विराट कोहली भी सोमवार को नोवाक जोकोविच और एलेक्स डि मिनोर के बीच मुकाबला देखने पहुंचे। इस दौरान कोहली के साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी नजर आईं। जोकोविच ने यह मैच 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से जीता और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सर्बिया का यह दिग्गज खिलाड़ी 63वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में खेलेंगे। जोकोविच का खेल देखकर विराट कोहली हैरान रह गए। मैच के बाद कोहली ने

इंस्टाग्राम स्टोरी में जोकोविच की तारीफ भी की। किंग कोहली ने लिखा, क्या मैच था! यह हमेशा की तरह ग्लैडिएटर (जोकोविच) के लिए एक आम बात थी। कोहली ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें जोकोविच सर्व करते नजर आ रहे हैं।

कोहली इन दिनों पत्नी अनुष्का के साथ लंदन में हैं। हालांकि, वह अब तक इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम का मैच देखने नहीं पहुंचे हैं। कोहली ने एजबेस्टन में टीम इंडिया की जीत के बाद जरूर तारीफ की थी और जीत को ऐतिहासिक बताया था। अब भी तीन टेस्ट बाकी हैं। कोहली से 10 जुलाई से लंदन के लॉर्ड्स में शुरू हो रहे टेस्ट में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। कोहली ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास लिया था। अब वह टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है।कोहली के अलावा सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच का मुकाबला देखने के लिए आठ बार के विंबलडन चैंपियन रोजर फेडरर भी रॉयल बॉक्स में मौजूद थे। छठे वरीय जोकोविच पर 2016 से विंबलडन में सबसे जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन उन्होंने खराब शुरुआत से उबरकर डि मिनोर को 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़े।

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी। यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।

उन्होंने कहा, वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप

पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए। नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले। उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।

जल्द ही फ्लोर पर आएगी तृप्ति डिमरी-प्रभास की फिल्म स्पिरिट

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे।

दीपिका नहीं होंगी फिल्म का हिस्सा

पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

स्पिरिट के अलावा प्रभास द राजा साब नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवतः फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है। स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

'द ट्रेटर्स' जीतने और ट्रोलिंग के बाद बोलीं उर्फी

उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर अपने अलग ढंग के फैशन स्टाइल, बेबाक बातों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वह शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर खबरों में रहीं। उर्फी ने बाकी कंटेस्टेंट्स को पीछे छोड़ते हुए इस शो को जीता है। इस जीत के कारण वह जमकर ट्रोल हुईं, ट्रोलिंग भी ऐसी, जिसमें यूजर्स ने अपनी सीमा ही लांघ दी। गालियां, धमकी तक उर्फी को दे डाली। इस ट्रोलिंग को लेकर एक बार फिर उर्फी ने बात की है। इससे पहले वह बेहूदा ट्रोलिंग पर एक सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा कर चुकी हैं।

पूरब को लेकर साझा की अपनी राय

उर्फी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी से बात कर रही हैं। इस बातचीत में वह कहती हैं, 'पहली बार थोड़े ना ट्रोल कर रहे हैं, ये लोग मुझे कब से ट्रोल कर रहे हैं। चलता रहता है, ये तो लाइफ है।' आगे उर्फी पूरब झा के बारे में कहती हैं, 'पूरब भी शो 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार था। मगर यह गेम ही ऐसा था, जिसने पकड़ लिया, वह जीत गया। पूरब के लिए यही कहूंगी कि वह बहुत अच्छा लड़का है, उसने मेरे लिए इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई कि उर्फी को ट्रोल मत करो। ऐसा कम ही लोग करते हैं।'

उर्फी ने जब पैपराजी को कहा कि पूरब भी शो 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार था, तो एक बार फिर कुछ यूजर्स ने तंज कसना शुरू कर दिया। एक यूजर्स ने लिखा, 'उर्फी बहन, पूरब ही शो जीतना डिजर्व करता था।' एक अन्य यूजर्स ने लिखा, 'आप चीटिंग से जीते हो, बातें छुपकर सुनी।' ऐसे ही कुछ और यूजर्स ने उर्फी को लेकर कमेंट किए और पूरब को 'द ट्रेटर्स' जीतने का हकदार बताया।

उर्फी पहले भी हुईं ट्रोल

यह पहली बार नहीं है कि उर्फी सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हो, इससे पहले भी वह अपने ड्रेसिंग सेंस, स्टाइल को लेकर ट्रोल हो चुकी हैं। उर्फी ने टीवी सीरियल में एक्टिंग करके अपना करियर शुरू किया था, फिर वह फैशन इंफ्लुएंसर बन गईं। अब तक कई रियलिटी शो कर चुकी हैं, 'द ट्रेटर्स' को तो जीत भी लिया है।

लैंगिक भेदभाव पर भोजपुरी अक्षरा सिंह ने किया पोस्ट

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्मों और सिनेमा से अलग तमाम सामाजिक मुद्दों पर भी मुखर होकर बोलती हैं। आज गुरुवार को उन्होंने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव पर बात की। इस दौरान उन्होंने मेल ईगो पर भी कटाक्ष किया। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आज गुरुवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, जब वो चुप हो जाए तो समझ जाओ तुम गलत हो और जब तुम चुप हो जाओ, तब भी तुम ही गलत हो, क्योंकि लॉजिक नहीं, जेंडर चलता है। मेल ईगो मेल ईगो...बित्ता भर से लेकर सत्तर तक, जहां जाओ वहां पाओ। भांति-भांति के ईगो कोई माने ना माने पर ये फैक्ट है। अक्षरा सिंह अपनी आगामी फिल्म रुद्र-शक्ति को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर आज ही जारी किया गया है। इस फिल्म में अक्षरा सिंह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वे एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। सावन के महीने में फिल्म दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज जारी ट्रेलर को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा अक्षरा अपने नए गाने सईयां जी प्रधान को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। भोजपुरी सिनेमा की क्वीन कही जाने वाली अक्षरा सिंह की जोड़ी इस गाने में सतीश रे के साथ बनाई गई है। गाने में अक्षरा प्रधान की पत्नी बनी हैं और अपने पति की तारीफों के पुल बांधती दिखी हैं।

क्या बॉलीवुड में वापसी करने वाली हैं सेलिना जेटली?

सेलिना जेटली पिछले 14 वर्षों से फिल्मों से दूर हैं। आखिरी बार उन्हें लीड एक्ट्रेस के तौर पर साल 2011 में आई फिल्म थैंक यू में देखा गया था। इसके बाद वह 2012 में विल यू मैरी मी में बहुत कम देर के लिए नजर आईं। उनके फैंस उनकी पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक हिंट दी, जिससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह जल्द ही फिल्म में वापसी करेंगी। सेलिना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पुराना वीडियो शेयर किया। ये वीडियो उस वक्त का है जब वह प्रेगनेंट थीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह चल नहीं सकतीं, इसलिए वह कुर्सी पर बैठी हैं। वीडियो शेयर करते हुए सेलिना ने लिखा सात साल पहले मैं 6 महीने की प्रेगनेंट थी। उस वक्त मैं सिम्फिसिस प्यूबिस डिसफंक्शन की वजह से चल नहीं सकती थी। क्या किसी के साथ ये दिक्कत हुई है?

सेलिना जेटली के इस वीडियो को कई यूजर्स ने लाइक किया और कई यूजर्स ने इस पर कमेंट किए। एक यूजर ने पूछा हम आपको बहुत याद करते हैं। आप बॉलीवुड में वापस कब आओगी? इस पर सेलिना जोटली ने रिप्लाई किया जल्द ही। सेलिना जेटली ने रिप्लाई में एक गुलाब वाला इमोजी भी कमेंट किया।

शॉर्ट फिल्म में निभाई भूमिका

सेलिना जेटली साल 2020 में आई शॉर्ट फिल्म सीजंस ग्रीटिंग में नजर आईं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन राम कमल मुखर्जी ने किया था। हालांकि इससे उनकी पर्दे पर वापसी नहीं हुई। इस साल फरवरी में सेलिना जेटली किसी काम से मुंबई गईं थीं। उनके इस दौरे को फिल्मों में उनकी वापसी के तौर पर देखा गया। साल 2020 बातचीत में सेलिना ने कहा था कि उन्होंने सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। उन्होंने कहा लगातार खुद को साबित करने की वजह से मैं थक गई थी। इसके बाद मैंने कहा ठीक है, मुझे एक ब्रेक लेना होगा, जिंदगी में कुछ अलग काम करने होंगे, बैटरी रिचार्ज करनी होगी और जब भी मैं तैयार हो जाऊंगी, मैं फिर से वापस आऊंगी।

राजकुमार के दिल को छू गई 'मालिक' की स्टोरी

'मालिक' राजकुमार राव के करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह पूरी तरह से एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। मगर इस जॉनर में आने के लिए इतनी देरी क्यों हुई? यह सवाल पूछने पर राजकुमार राव कहते हैं, 'मुझे पहले भी एक्शन स्टोरी ऑफर हुई, मगर उन कहानियों में कहानी मौजूद नहीं थी, बस एक्शन था। लेकिन मुझे ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी, जिसमें कहानी अहम हो। जब पुल्कित ने मुझे 'मालिक' की कहानी सुनाई तो अच्छी लगी, इसमें कहानी है, एक्शन है और कमाल के डायलॉग भी हैं। इस फिल्म की कहानी मेरे दिल को छू गई।'

करियर कभी प्लान नहीं किया था

राजकुमार राव के करियर ग्राफ पर अगर नजर डालें तो वह अलग-अलग जॉनर में रंग जमा चुके हैं। उन्होंने 'सिटी लाइट्स' से लेकर 'स्त्री' फिल्म तक में अभिनय के अलग रंग दिखाए। क्या राजकुमार ने अपना करियर इसी तरह से प्लान किया था? इस सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं अपना करियर प्लान करके नहीं आया था। मगर यह सब अपने आप होता गया। पहले 'ट्रैप', 'न्यूटन', 'शाहिद', 'एलएसडी' जैसी फिल्में कीं, इसके बाद 'बरेली की बर्फी' और 'स्त्री' और 'भूल चूक माफ' जैसी फिल्में कीं। अब 'मालिक' में एक्शन कर रहा हूं। यह सभी अलग-अलग जॉनर की फिल्में थीं। मेरा मकसद बस एक्साइटिंग कहानियां का हिस्सा बनना है। ऐसी कहानियों की तलाश है, जो मुझे बतौर एक्टर चैलेंज करें, संतुष्टि दें।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'मालिक'

फिल्म 'मालिक' को पुल्कित ने निर्देशित किया है। इस डायरेक्टर के साथ पहले भी राजकुमार राव 'बोस डेड/अलाइव' कर चुके हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को रिलीज होगी।

पैपराजी कल्चर को लेकर रितेश ने दी प्रतिक्रिया

शेफाली जरीवाला की मौत के बाद एक बार फिर पैपराजी कल्चर सेलेब्स के निशाने पर है। वरुण धवन समेत कई सेलेब्स पैपराजी कल्चर पर उंगली उठा चुके हैं। उनका कहना है कि पैपराजी को भी थोड़ी संवेदनाएं दिखानी चाहिए। अब इस बीच अभिनेता रितेश देशमुख ने पैपराजी कल्चर को लेकर बात की और उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बच्चों को पैपराजी के सामने आने और उनसे बात करने के बारे में बताया है।

मैंने बच्चों को बताया फोटो खिंचवाना सम्मान की बात

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान रितेश ने कहा कि हमें पैपराजी से निपटना सीखना होगा। अभिनेता ने कहा, हमारे बच्चे खेल खेलते हैं और वे रोजाना वहां जाते हैं। कभी-कभी, जब हम उनके मैच देखते हैं, तो कुछ पैपराजी हमारी तस्वीर खींच लेते हैं, इसलिए हमें इससे निपटना सीखना होगा। आपको बच्चों से बात करनी होगी और सुनिश्चित करना होगा कि वे खुद को हकदार न समझें। मैं अपने बेटों से बस यही कहता हूं कि फोटो खिंचवाना सम्मान की बात है। जब पैपराजी तस्वीरें मांगते हैं, तो आप उन्हें क्लिक करने के लिए धन्यवाद देते हैं और आगे बढ़ जाते हैं।

सेलेब्रिटी किड्स के मीडिया के सामने आने का कोई नियम नहीं है

सेलेब्रिटी पेरेंट्स को अपने बच्चों के मीडिया के सामने किस तरह से लाना चाहिए या क्या करना चाहिए। इस पर बात करते हुए रितेश देशमुख ने कहा कि सेलिब्रिटी माता-पिता को अपने बच्चों को मीडिया के सामने लाने के लिए किस तरह का रवैया अपनाना चाहिए, इस बारे में कोई खास नियम नहीं है। सिर्फ इसलिए कि एक व्यक्ति कुछ करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे भी वैसा ही करें। मुझे लगता है कि माता-पिता जानते हैं कि उनके बच्चों के लिए क्या सबसे अच्छा है। अगर लोगों को लगता है कि वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे मीडिया में आएं, तो इसका

कार्तिक आर्यन को हटाने की फिराक में इंडस्ट्री

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में कार्तिक आर्यन के साथ भी वही व्यवहार हो रहा है, जैसा पहले दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ किया गया था। इंटरव्यू में अमाल मलिक ने कहा, 'अब लोगों को फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई समझ आ चुकी है। यह इंडस्ट्री अंदर से इतनी काली है कि कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। सुशांत सिंह राजपूत इस सबको सहन नहीं कर पाए। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी मौत मर्डर थी, कुछ कहते हैं सुसाइड। लेकिन जो भी हुआ, इंसान तो चला गया।' उन्होंने आगे कहा, 'इस इंडस्ट्री ने ही उनके मनोबल पर असर डाला। शायद उनके आत्मा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचाया। जब आम जनता को ये सब पता चला, तो उनका भरोसा बॉलीवुड से उठ गया। लोग कहने लगे कि यह इंडस्ट्री बहुत गंदी है।' अमाल मलिक ने आगे कहा कि सुशांत की मौत के बाद इंडस्ट्री की असली सच्चाई सामने आई और इसकी छवि खराब हो गई। इन लोगों ने जो किया, उसका नतीजा अब इन्हें भुगतना पड़ रहा है। ये लोग अब अपने डाउनफॉल के दौर से गुजर रहे हैं और ये इसके हकदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब वही सब कार्तिक आर्यन के साथ भी हो रहा है। उसे भी अलग करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन फिर भी वह मेहनत कर रहा है, मुस्कुरा रहा है, डांस करता है और आगे बढ़ रहा है। कार्तिक भी एक आउटसाइडर है, जिसने अपनी मेहनत से नाम कमाया है। लेकिन अब भी 100 लोग उसे हटाने की कोशिश में लगे रहते हैं।